राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 299 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, शनिवार 06 सितंबर 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुलिस की घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई, 13 नाइजीरियाई और 2 बांग्लादेशियों को डिटेंशन सेंटर भेजा

नई दिल्ली। दिल्ली में घुसपैठियों के खिलाफ सर्च अभियान चल रहा है। इसी क्रम में पुलिस ने द्वारका में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को डिपोर्ट के लिए भेज दिया। द्वारका के पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह के अनुसार, पुलिस ने अगस्त महीने में 13 नाइजीरियाई और 2 बांग्लादेशियों को निर्वासन के लिए भेजा। ये 15 लोग द्वारका में अवैध रूप से रह रहे थे।

द्वारका की ऑपरेशन यूनिट और पुलिस थानों के कर्मचारी नियमित रूप से उन विदेशी नागरिकों के बारे में खुफिया जानकारी जुटा रहे हैं, जो अवैध रूप से इलाके में रह रहे हैं या घूम रहे हैं।

इसी क्रम में द्वारका के मोहन गार्डन थाने की 5, एंटी-नारकोटिक्स सेल की 5, उत्तम नगर थाने की 3 और डाबरी थाने की 2 टीमों ने द्वारका की निगरानी में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। ये टीमें उन विदेशी नागरिकों को पकड़ने के लिए सक्रिय हुईं, जो बिना वैध वीजा के देश में निर्धारित समय से अधिक समय तक रह रहे हैं, अवैध रूप से प्रवेश कर चुके हैं और द्वारका जिले के क्षेत्र में रह रहे या घूम रहे हैं।

डिपोर्ट किए गए नाइजीरियाई में ओकुचुकु जॉन ओकाफोर, एजिक इकपारा, ओन्येकाची न्वोनवु, अकुनेसी उगोन्ना, नगोएसिना माइकल नवासा, चिनेदु विक्टर चुकवुडी, फेमी जिमो अदेबाजो, फिदेलिस एकेना नवाचुकवु, ओकेचुकवु ओगोचुकवु जॉन, चुकवुमेका उचे डेनियल, अनिक्फे इग्नाटियस चिकेलू, उचे क्रिस चुक्वुल और डेसमंड अबालिग्बो ओनीबच शामिल हैं।

बांग्लादेशियों में अब्दुल मोमिन और नूरुल आलम शामिल हैं। वे बिना वैध वीजा के भारत में निर्धारित अवधि से अधिक समय तक रुके पाए गए। उन्हें एफआरआरओ के समक्ष पेश किया गया, जिसने उनके निर्वासन का आदेश दिया। उन्हें डिटेंशन सेंटर भेज दिया गया।

सूरसागर में कार को लगाई आग, उधर एयरपोर्ट पर सीएम की नाराज़गी ने हिलाया प्रशासन

जोधपुर। जोधपुर का सूरसागर इलाका गुरुवार देर रात अफरा-तफरी से गूंज उठा। आपसी रंजिश के चलते अज्ञात लोगों ने पहले एक घर पर हमला बोला, फिर बाहर खड़ी कार के कांच तोड़े और बाद में कार को आग के हवाले कर दिया। अचानक भड़की आग से क्षेत्र में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। इधर, जोधपुर एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का दौरा भी सुर्खियों में रहा। सूत्रों के मुताबिक, सीएम के आगमन पर दो प्रशासनिक अधिकारियों ने कुछ शिकायतें सीधे उनके सामने रखीं। इस पर मुख्यमंत्री बेहद नाराज हो गए। वहां मौजूद एक कैबिनेट मंत्री ने माहौल संभालने की कोशिश की, लेकिन सीएम का गुस्सा शांत नहीं हुआ। नतीजा यह हुआ कि जयपुर फोन कर तत्काल आदेश जारी करवाए गए और एक आईपीएस अधिकारी को एपीओ कर दिया गया।

सूरसागर की वारदात ने शहर की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं, वहीं एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री का आक्रामक रुख प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का बड़ा विषय बन गया है।

मुख्यमंत्री साय ने किया बायंग एनीकट कम काजवे का भूमिपूजन, 38 करोड़ की लागत से सिंचाई और आवागमन सुविधा होगी बेहतर

रायगढ़ मेरा परिवार, मैं अपने परिवार से मिलने आया हूँ : मुख्यमंत्री साय

100 हेक्टेयर क्षेत्र में सोलर संयंत्र और पाइपलाइन के जरिए उपलब्ध होगी सिंचाई सुविधा

रायगढ़ (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ जिले के ग्राम बायंग (कछार) में 38 करोड़ रुपये की लागत से मांड नदी बायंग एनीकट कम काजवे निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इससे लाभान्वित गांवों में भू-जल संवर्द्धन होगा तथा आवागमन की सुविधा भी बढ़ेगी। एनीकट कम काजवे निर्माण से 100 हेक्टेयर क्षेत्र में सोलर संयंत्र और पाइपलाइन के जरिए सिंचाई सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने लोकार्पण कार्यक्रम में ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि रायगढ़ क्षेत्र में जब भी मैं आता हूँ तो ऐसा लगता है जैसे अपने ही परिवार के बीच आया हूँ। आप सभी ने 20 वर्षों तक आशीर्वाद देकर मुझे सांसद बनाकर दिल्ली भेजा, अब मुख्यमंत्री के रूप में मैं अपने परिवार से मिलने आप सबके बीच आया हूँ। मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि विगत 20 महीनों में 'मोदी की गारंटी' के तहत अनेक जनकल्याणकारी कदम उठाए गए हैं। इनमें धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से, 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता, तेंदूपत्ता संग्राहकों को पुनः चरण पादुका वितरण, किसानों को धान बोनस तथा 5 लाख 62 हजार भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद जैसी योजनाएँ शामिल हैं।

एनीकट भूमिपूजन बायंग गांव के लिए ऐतिहासिक

उप मुख्यमंत्र अरुण साव ने एनीकट भूमिपूजन के अवसर को बायंग (कछार) गांव के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि हमने जो वादा किया था, उसे पूरा किया। अब गांव-गांव में प्रधानमंत्री आवास बन रहे हैं, महतारी वंदन योजना का पैसा समय पर हर महीने मिल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन तथा डबल इंजन की सरकार में विकास के कार्य तेजी से हो रहे हैं। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि रायगढ़ क्षेत्र का संसद में पिछले 20 वर्षों से प्रतिनिधित्व करने वाले हमारे मुख्यमंत्री प्रत्येक गांव के लिए परिवार के सदस्य जैसे हैं। रायगढ़ से सांसद रहते हुए शायद ही ऐसा कोई गांव बचा हो जहाँ मुख्यमंत्री श्री साय न गए हों। छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार बने मात्र 20 महीने हुए हैं और इस अवधि में अनेक कार्य किए गए हैं। किसानों के एक-एकड़ पर 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीदी, दो वर्षों का बकाया बोनस, भूमिहीन मजदूरों के खाते में हर साल 10 हजार रुपये की राशि पहुँच रही है। हर गांव में प्रधानमंत्री योजना के अंतर्गत मकान बनाए जा रहे हैं। राजमिस्त्री और सेंट्रिंग प्लेट कम पड़ गए हैं, फिर भी लगातार कार्य हो रहे हैं। केवल कछार गांव में ही 180 से अधिक प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास की नई गाथा लिख रहा है। हमारी माताएँ-बहनें हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्त हो रही हैं। ग्राम पंचायत कछार के किसानों के लिए आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है।

मजदूर को मिला 4.42 करोड़ का जीएसटी नोटिस, महीने का टर्न ओवर था 24.55 करोड़

जालसाजी का चौंकाने वाला मामला

जौनपुर (एजेंसी)। जिले के मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक मजदूरी करके जीवन यापन करने वाले युवक के नाम पर फर्जी तरीके से फर्म संचालित कर एक महीने में 24 करोड़ 55 लाख 80 हजार रुपये का टर्नओवर किया गया। इस फर्जीवाड़े का खुलासा तब हुआ जब उस गरीब मजदूर रोहित सरोज के नाम पर 4 करोड़ 42 लाख 4 हजार 400 रुपये का जीएसटी बकाया का नोटिस आ गया।

धौरहरा गांव निवासी रोहित सरोज और उनके भाई दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। रोहित ने कभी कोई व्यापार नहीं किया, लेकिन अचानक 30 अगस्त को जीएसटी विभाग की ओर से एक नोटिस प्राप्त हुआ, जिसमें दावा किया गया कि आर.के. ट्रेडर्स नामक एक फर्म के माध्यम से उन्होंने

करोड़ों रुपये का व्यापार किया है, लेकिन जीएसटी जमा नहीं की गई।

अधिकारियों की जांच में पता चला कि जिस फर्म से लेनदेन हुआ वह मुंगराबादशाहपुर के ही नीभापुर गांव में पंजीकृत है। फर्म के जरिए जून 2025 में उक्त भारी-भरकम टर्नओवर दर्शाया गया, लेकिन फर्म से जुड़े किसी भी व्यक्ति की पहचान स्पष्ट नहीं है। फर्म में उपयोग किए गए दस्तावेज रोहित सरोज के हैं।

पीड़ित रोहित सरोज ने बताया कि कुछ समय पहले एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को उनका दूर का रिश्तेदार बताते हुए नौकरी दिलाने का लालच दिया था। उस व्यक्ति ने आधार कार्ड, पैन कार्ड की कॉपी और एक बार ओटीपी भी फोन पर लेकर उनसे साझा करवा लिया था। इसके बाद वह व्यक्ति फिर कभी संपर्क में नहीं आया। 4.42 करोड़ रुपये के नोटिस ने रोहित और उनके परिवार को सकते में डाल दिया है। उनका कहना है कि वे मजदूरी करके पेट पालते हैं, इतनी बड़ी रकम कैसे चुका सकते हैं? अब वे न्याय की गुहार लेकर पुलिस महानिरीक्षक और अन्य अधिकारियों के पास दौड़ लगा रहे हैं।

फिलहाल मुंगराबादशाहपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जालसाजों की तलाश कर रही है। साथ ही 10 सितंबर को रोहित को जीएसटी कार्यालय में दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने को कहा गया है। यह मामला न सिर्फ जालसाजी का गंभीर उदाहरण है, बल्कि यह भी दिखाता है कि कैसे तकनीकी जानकारी की कमी और मासूमियत का फायदा उठाकर अपराधी आम जनता को फंसा रहे हैं।

ट्रंप के करीबी पीटर नवारो के बयान पर भारत का पलटवार, विदेश मंत्रालय ने उनके दावों को बताया गलत और भ्रामक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने शुक्रवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और व्यापार सलाहकार पीटर नवारो के हालिया बयानों को सख्ती से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने साफ कहा कि नवारो के बयान न केवल गलत हैं, बल्कि भ्रामक भी हैं। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत और अमेरिका के रिश्ते गहरे हैं और इन्हें भ्रामक बयानों से प्रभावित नहीं किया जा सकता। साथ ही ब्लूमबर्ग की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को गुप्त पत्र भेजने वाली रिपोर्ट को गलत बताया। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया में हो रहे प्रदर्शन पर भी विदेश मंत्रालय ने अपनी बात कही।

जायसवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका व्यापक और वैश्विक

रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं। यह साझेदारी साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के बीच मजबूत रिश्तों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का रिश्ता कई बदलावों और चुनौतियों से गुजरा है, लेकिन हमेशा मजबूत रहा है। भारत चाहता है कि यह साझेदारी आपसी सम्मान और साझा हितों के आधार पर आगे बढ़ती रहे। उन्होंने एच-1बी वीजा के मामले में कहा कि भारत और अमेरिका के बीच गतिशीलता साझेदारी इस रिश्ते का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

क्वाड और यूक्रेन पर भारत का रुख

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ व्यापारिक मुद्दों पर लगातार बातचीत कर रहा है। उन्होंने क्वाड (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया) को साझा हितों पर चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताया और कहा कि इसका अगला नेताओं का शिखर सम्मेलन सदस्य देशों के बीच राजनयिक परामर्श के बाद तय होगा।

यूक्रेन संघर्ष पर बोलते हुए जायसवाल ने हालिया शांति प्रयासों का स्वागत किया और कहा कि भारत चाहता है कि सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ें।

अनिल अंबानी को एक और झटका, अब बैंक ऑफ बड़ौदा ने आरकॉम के खाते को 'फ्रॉड' किया घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्ज में डूबी रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) और उसके पूर्व निदेशक अनिल अंबानी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा ने कंपनी के ऋण खातों को 'धोखाधड़ी' (फ्रॉड) की श्रेणी में डाल दिया है। यह कार्रवाई उन कर्जों से संबंधित है जो कंपनी के दिवाला समाधान प्रक्रिया में जाने से पहले लिए गए थे।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने शुक्रवार को स्टॉक एक्सचेंज को यह जानकारी दी। इससे पहले भारतीय स्टेट बैंक और बैंक ऑफ इंडिया भी आरकॉम के खातों को फ्रॉड घोषित कर चुके हैं। इस मामले पर आरकॉम की ओर से स्पष्टीकरण आया है। कंपनी का कहना है कि यह सभी ऋण दिवाला प्रक्रिया शुरू होने से पहले के हैं और इनका निपटारा अब समाधान योजना के तहत ही होगा। फिलहाल कंपनी का प्रबंधन रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल अनीश निरंजन ननावटी के हाथों में है और अनिल अंबानी अब कंपनी के निदेशक मंडल में शामिल नहीं हैं।

'34 गाड़ियों में बम हैं, 400 किलो आरडीएक्स से पूरा शहर हिला देंगे'

मुंबई पुलिस को बम विस्फोट की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर 34 गाड़ियों में बम लगाए जाने की धमकी मिली है। ये धमकी व्हाट्सएप मैसेज के माध्यम से मिली है, जिसके बाद पुलिस सतर्क हो गई है। बताया जा रहा है कि धमकी भरा यह मैसेज मुंबई ट्रैफिक पुलिस के व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर पर भेजा गया, जिसमें दावा किया गया कि 34 गाड़ियों में बम लगाए गए हैं और 400 किलो आरडीएक्स के विस्फोट से पूरा मुंबई शहर हिल जाएगा। इस मैसेज में 'लश्कर-ए-जिहादी' नामक संगठन का

उल्लेख करते हुए कहा गया है कि 14 पाकिस्तानी आतंकवादी भारत में घुस चुके हैं और इस विस्फोट से 1 करोड़ लोगों की जान जा सकती है।

मुंबई पुलिस ने इस धमकी को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिस व्हाट्सएप नंबर से यह मैसेज भेजा गया, उसे ट्रेस करने का काम शुरू कर दिया गया है। मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, मुंबई पुलिस हमेशा अलर्ट पर रहती है और हमारी नजर हर चीज पर है। जनता को घबराने की जरूरत नहीं है, स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और सब कुछ शांत है।

ऐसा पहली बार नहीं है जब इस तरह की धमकी दी गई है। 22 अगस्त को मुंबई के गिरगांव स्थित इस्कॉन मंदिर को एक धमकी भरा ईमेल मिला था। धमकी भरा ईमेल इस्कॉन मंदिर की आधिकारिक ईमेल आईडी पर आया था। सूचना के बाद मौके पर पुलिस और बम निरोधक टीम पहुंची और पूरे मंदिर परिसर की गहन जांच की गई। हालांकि, जांच के दौरान किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु या गतिविधि नहीं पाई गई थी।

इससे पहले, ईमेल के जरिए मुंबई के एक होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। मुंबई के वरली स्थित 'फोर सीजन' होटल को एक अज्ञात शख्स की ओर से धमकी भरा ईमेल भेजा गया था। होटल प्रशासन ने तुरंत मेल की जानकारी मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को दी। ईमेल में तमिलनाडु पुलिस के लिए यूनियन बनाने की मांग की गई थी।ईमेल के जरिए 7 आईडीएक्स और आईईडी ब्लास्ट की धमकी दी गई थी, जिसमें 'फोर सीजन', मुंबई (होटल) के 3 वीआईपी रूम का जिक्र था।

राजस्थान के अजमेर में बोराज तालाब टूटा, 1000 घरों में पानी; पंजाब में 43 मौतें

दिल्ली- एनसीआर में बाढ़, नोएडा के कई सेक्टर डूबे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बारिश से पहाड़ी राज्यों से लेकर मैदानी इलाकों तक तबाही आ गई है। दिल्ली-एनसीआर में लगातार बारिश के कारण यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इससे कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। नोएडा में सेक्टर-135 और सेक्टर-151 डूब गए हैं। कई इलाके में 3 से 4 फीट पानी भरा है।

हरियाणा के पंचकूला, हिसार, रोहतक और झज्जर में सभी स्कूल बंद हैं। फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर और फरीदाबाद में भी कुछ स्कूल बंद कर दिए गए हैं। गुरुग्राम की सिग्नेचर ग्लोबल सलोरा सोसाइटी में गुरुवार को पानी भर गया। इससे महिलाएं और बच्चे घरों में कैद हो गए।

राजस्थान के अजमेर में गुरुवार रात भारी बारिश के बाद बोराज तालाब की दीवार ढह गई। इससे 1 हजार से ज्यादा घरों में अचानक सैलाब आ गया। लोगों ने छतों पर जाकर जान बचाई। पानी का बहाव इतना तेज था कि कई गाड़ियां बह गईं। मकान क्षतिग्रस्त हो गए। देर रात तक लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चला।

पंजाब में बाढ़ में मरने वालों की संख्या गुरुवार को बढ़कर 43 हो गई। राज्य के 23 जिलों के 1,655 गांवों में 3.55 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। 1.71 लाख हेक्टेयर जमीन पर लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। राज्य में अगले 5 दिन बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। इससे बाढ़ से राहत मिल सकती है।

कश्मीर का देश के बाकी हिस्सों से संपर्क कटा

कश्मीर में गुरुवार को बारिश और लैंडस्लाइड के कारण जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे सहित सभी सड़कें बह गईं या टूट गईं। इससे घाटी का देश के बाकी हिस्सों से संपर्क कट गया है।

झेलम नदी का जलस्तर कम हो गया है। नदी अब खतरे के निशान से नीचे बह रही है। हालांकि, एहतियात के तौर पर, कश्मीर रीजन के स्कूल और कॉलेज शनिवार, 6 सितंबर तक बंद कर दिए गए हैं।

जम्मू के रामबन जिले में भारी बारिश, अचानक आई बाढ़ और लैंडस्लाइड के बाद 283 घर क्षतिग्रस्त हो गए। 950 लोगों को

सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है।

रामबन के डिप्टी कमिश्नर अलयास खान ने बताया कि लगातार बारिश के कारण 29 अगस्त को रामबन के राजगढ़ तहसील के दुरुबला गांव में अचानक बादल फटने से बाढ़ और लैंडस्लाइड हुई थी।

उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना नदी के किनारे बसे इलाके गुरुवार को डूबे दिखे। राजस्थान के अजमेर में गुरुवार रात बोराज तालाब की दीवार ढहने से कई कॉलोनियां डूब गईं। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में बाढ़ के बीच गुरुवार को रिहायशी इलाकों में नाव चली।

जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में बाढ़ के बीच गुरुवार को रिहायशी इलाकों में नाव चली।

'लगता है हमने भारत-रूस को चीन के हाथों खो दिया', टैरिफ वॉर के बीच एससीओ समिट के बाद नरम पड़े ट्रंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की तरफभारत पर लगाए गए टैरिफके बाद दोनों देशों के बीच तनाव देखने को मिल रहा है। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार भारत पर निशाना साधते नजर आ रहे थे। लेकिन चीन में हाल ही में संपन्न हुए एससीओ सम्मेलन के बाद अब ट्रंप के तेवर नरम पड़ते दिख रहे हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर लिखा कि, लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया ट्रुथ पर पोस्ट में एक तस्वीर भी शेयर की है। इस तस्वीर में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट में डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा कि, लगता है कि हमने भारत और रूस को गहरे, अंधकारमय चीन के हाथों खो दिया है। ईश्वर करे कि उनका भविष्य लंबा और समृद्ध हो।'

एससीओ समिट ने खींचा विश्व का ध्यान

ट्रंप की यह टिप्पणी पर उस समय आई है जब पिछले दिनों चीन के तिआनजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नजदीकियों ने विश्व का ध्यान खींचा था।

भारत-अमेरिका संबंधों में खटास तब और गहरी हो गई जब ट्रंप प्रशासन ने भारतीय वस्तुओं पर टैरिफदोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिया और साथ ही रूस से कच्चा तेल खरीदने पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी लगा दिया।

ट्रंप के पोस्ट पर विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया

वहीं अपने साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस पोस्ट को लेकर सवाल पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'इस समय इस पोस्ट पर मेरी कोई टिप्पणी नहीं है।' वहीं इससे पहले तमाम पूर्व अमेरिकी अधिकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत के साथ संबंध सुधारने की नसीहत दी थी। इस कड़ी में पूर्व अमेरिकी एनएसए जॉन बोल्टन ने कहा कि 'ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका-भारत संबंधों को दशकों पीछे धकेल दिया है, जिससे पीएम मोदी रूस और चीन के करीब चले गए हैं। बीजिंग ने खुद को अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप के विकल्प के रूप में पेश किया है।'

संक्षिप्त समाचार

उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से भोजराज प्रधान हुए सम्मानित

बसना(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ स्थापना रजत जयंती वर्ष 2025 के अंतर्गत स्कूल शिक्षा विभाग और समग्र शिक्षा महासमुंद के संयुक्त तत्वावधान में 5 सितम्बर 2025 को शिक्षक दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महासमुंद जिले के 25 उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ सम्पत अग्रवाल विधायक बसना के द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला मोहगांव के प्रधान पाठक भोजराज प्रधान को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। भोजराज प्रधान के द्वारा अपने विद्यालय में पिछले दस वर्षों से नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा की नि:शुल्क तैयारी कराई जा रही है। इनके कुशल मार्गदर्शन में अब तक 101 बच्चों का नवोदय विद्यालय, 6 बच्चे सैनिक स्कूल और 11 बच्चे एकलव्य आवासीय विद्यालय हेतु चयनित हुए हैं। शिक्षक भोजराज प्रधान वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण और वर्ष 2022 में राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं।

सामूहिक इस्तीफे के मूड में एनएचएम संविदा कर्मचारी ने ज्ञापन सौंपा कर सरकार को दी चेतावनी

मुंगेली(समय दर्शन)। नियमिती करण सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर बेमियादी हड़ताल कर रहे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदा कर्मचारियों और स्वास्थ्य विभाग के बीच विवाद गहराता जा रहा है। गुरुवार को हड़ताल के 18वें दिन मुंगेली जिले के एनएचएम संविदा कर्मचारियों ने सरकार के रवैये और बर्खास्तगी आदेश के विरोध में सामूहिक त्याग पत्र मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को सौंप दिया। एनएचएम संघ के प्रांतीय आव्हान पर आंदोलनरत कर्मचारियों ने बताया कि सरकार तानाशाही रवैया अपनाकर उनकी जायज़ मांगों को अनसुना कर रही है और आंदोलन को तोड़ने के लिए बर्खास्तगी जैसे दमनकारी कदम उठा रही है। इसी के विरोध में जिले के तीनों ब्लॉकों से संविदा कर्मचारियों को जिला मुख्यालय बुलाया गया, जहाँ आगर खेल परिसर में सभी ने एकजुट होकर सामूहिक त्याग पत्र पर हस्ताक्षर किए और प्रतिनिधि मंडल ने इसे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को सौंप दिया। 18 अगस्त से जारी बेमियादी हड़ताल का असर अब स्वास्थ्य सेवाओं पर साफदिखाई देने लगा है। जिला अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्रों में ओपीडी सेवाएं प्रभावित हैं, मरीज घंटों लंबी कतारों में खड़े होकर इलाज के लिए भटकते नज़र आ रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में तो स्थिति और भी विकट हो गई है। संघ के जिला अध्यक्ष पवन निर्मलकर ने कहा कि भाजपा सरकार ने चुनाव से पहले मोदी की गारंटी के तहत नियमितीकरण का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आए लगभग दो साल हो गए और अब तक उस पर कोई अमल नहीं हुआ। साथ ही 27त्न वेतन वृद्धि भी लंबित है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 जैसी आपदा में संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर सेवा दी, बावजूद इसके सरकार उनकी अनदेखी कर रही है और उल्टा बर्खास्तगी का आदेश निकाल रही है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 66 शिक्षकों को शॉल, श्रीफल और प्रशस्ति पत्र से किया गया सम्मानित

जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह सम्पन्न

शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन को आदर्श, अनुशासन और संस्कार से जोड़ने का कार्य करती है - सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में शिक्षक दिवस के अवसर पर वन विभाग के ऑक्सन हॉल में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों के उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी उपस्थित थी तथा अध्यक्षता राजिम विधायक रोहित साहू एवं विशेष अतिथि के रूप में बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक राम ध्रुव शामिल हुए।

समारोह को संबोधित करते हुए सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने सभी को शिक्षक दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं। उनका योगदान केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है,बल्कि वे विद्यार्थियों के जीवन को आदर्श, अनुशासन और संस्कार से जोड़ने का कार्य करते हैं।उन्होंने कहा कि आज जब तकनीकी क्रांति का दौर है,तब शिक्षकों पर यह जिम्मेदारी और बढ़ गई है कि वे विद्यार्थियों को डिजिटल युग के अनुरूप तैयार करें,साथ ही मानवीय मूल्यों को बनाए रखें। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने तथा ग्रामीण अंचलों में भी शैक्षिक सुविधाओं को मजबूत करने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को केवल पढ़ाई तक सीमित न रखकर समाज की सेवा और राष्ट्रभक्ति का भाव भी उनमें जागृत करें।

इस अवसर पर राजिम विधायक रोहित साहू ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक जीवन भर विद्यार्थियों का पथ-प्रदर्शन करते हैं।माता-पिता बच्चों को जन्म देते हैं,लेकिन उन्हें सच्चा नागरिक और जिम्मेदार इंसान बनाने का कार्य शिक्षक ही करते हैं। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति ने बच्चों में नवाचार और कौशल विकास पर विशेष बल दिया है।

इसके सफल क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। विधायक श्री साहू ने कहा कि शिक्षा ही समाज की प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार वृद्धि कर रही है और प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक नए कदम उठाए जा रहे हैं।

बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक राम ध्रुव ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान नहीं देते बल्कि वे संस्कारों की नींव रखते हैं। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है, ऐसे समय में शिक्षकों का मार्गदर्शन ही उन्हें सही दिशा दे सकता है। विधायक श्री ध्रुव ने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों में कार्यरत शिक्षक विशेष प्रशंसा के पात्र हैं, क्योंकि वे संसाधनों की कमी के बावजूद बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़े रखने का प्रयास कर रहे हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष लालिमा ठाकुर ने भी सम्बोधित किया।

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का हुआ सम्मान

साँकरा(समय दर्शन)। विद्यालय केवल ज्ञान का मंदिर नहीं, बल्कि संस्कारों का पवित्र आश्रय भी है। इसी का जीवंत उदाहरण 5 सितम्बर ङ्क शिक्षक दिवस के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सावित्रीपुर में उस समय देखने को मिला, जब बच्चों ने अपने प्रिय शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और वातावरण श्रद्धा, स्नेह तथा उत्सव की सुगंध से भर उठा। कार्यक्रम के आरम्भ में नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियों, कविताओं और भावभरे शब्दों से अपने गुरुओं का अभिनंदन किया। हर चेहरे पर उल्लास था और हर निगाह में गुरुजनों के प्रति आदर। इस अवसर को और विशेष बना दिया विद्यालय की शिक्षिका पद्मावती नाग ने उनके सुपुत्र अंश के जन्मदिवस पर सभी बच्चों को कराया सुस्वाद भोजन । मातृत्व और कर्तव्य का सुंदर संगम दिखाते हुए उन्होंने संपूर्ण विद्यालय परिवार—बच्चों और शिक्षकों—के लिए स्नेहपूर्वक भोजन की व्यवस्था कराई। स्वादिष्ट व्यंजनों से सजी थालियों में केवल भोजन ही नहीं, बल्कि उनका आत्मीय भाव भी परोसा गया। बच्चों की खिलखिलाती हंसी और शिक्षकों की संतुष्टि ने उस क्षण को अविस्मरणीय बना दिया। विद्यालय परिवार ने इस उदार पहल के लिए पद्मावती नाग मैडम को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया तथा उनके पुत्र की मंगलमय भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। निस्संदेह, यह दिन केवल शिक्षक दिवस ही नहीं, बल्कि गुरु और शिष्य के पवित्र बंधन को और गहराई से जोड़ देने वाला एक स्मरणीय पर्व बन गया।

एकदंत गणेश उत्सव समिति बसना में विशाल भण्डारे का आयोजन

नगर व क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर भण्डारा मे प्रसाद ग्रहण

बसना (समय दर्शन)। बसना पदमपुर स्थित गायत्री मंदिर के सामने एकदंत गणेश उत्सव सेवा समिति बसना के तत्वावधान में गणेश उत्सव का आठवाँ वर्ष के इस आयोजन को बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया जा रहा है।

05 सितंबर को समिति द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रथम पूज्य भगवान एकदन्त श्री गणेश का दर्शन कर प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। नगर मे एकदन्त पण्डाल को आकर्षक ढंक से सजाया गया है । वहीं भगवान एकदन्त की विशाल मूर्ति रायपुर से मंगाया गया है। जहाँ पण्डाल मे प्रतिदिन भक्तिमय भजन, कीर्तन,सत्संग ,संगीत का कार्यक्रम चल रहा है। समिति पदाधिकारियों एवं गणेश भक्तों की सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। 6 सितंबर, शनिवार को गणेश प्रतिमा का विधिवत विसर्जन किया जाएगा। इस अवसर पर विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो पदमपुर एकदन्त पण्डाल से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग होते हुए बसना के मुख्य थाना रोड, सब्ज़ी मंडी चौक से होकर विसर्जन स्थल तालाब तक पहुंचेगी। विसर्जन यात्रा में भक्तगण बाजे-गाजे, ढोल-नगाड़ों और झांकी के साथ शामिल होंगे। पूरे नगर में धार्मिक उल्लास और भक्ति का माहौल देखने को मिलेगा। सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने हेतु बसना पुलिस प्रशासन एवं नगर पंचायत ने विशेष तैयारी की है।

गुरु के बिना सफल जीवन की कल्पना नही की जा सकती-भूपेश बघेल

पिछले 28 वर्षों से लगातार शिक्षक दिवस के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा किया जा रहा शिक्षकों का सम्मान

पाटन (समय दर्शन)। छग के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा पाटन विधानसभा स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन आज धौराभाटा मिडिल स्कूल के सामने किया गया ।यह आयोजन पिछले 28 सालों से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा किया जा रहा है जो प्रतिवर्ष अनवरत जारी है पूर्व मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि संत महात्मा भी गुरु को सर्वोच स्थान दिए है गुरु के मार्गदर्शन बिना जीवन की कल्पना नही की जा सकती ।जीवन मे शिक्षकों का महत्वपूर्ण स्थान है ।छग में बीस साल तक कोई शिक्षक की भर्ती नही हुई थी किंतु जब हमारा सरकार था तब 12 हजार शिक्षकों की भर्ती किए ।यहां पर ओल्ड पेंशन स्कीम लागू की ।हमने शिक्षा के स्तर में गुणवत्ता लाने के लिए स्वामी आत्मानन्द स्कुल प्रारंभ किए जहां हर वर्ग के बच्चे पढ़ाई कर रहे है और नए आयाम छू रहे है।। श्री बघेल ने आगे कहा कि छग में दसवीं बारहवीं के मेरिट लिस्ट में आने वाले छात्र छात्राओं को हेलीकाप्टर में भ्रमण करवाते थे जिससे छात्रों में पढ़ाई के प्रति अभिरुचि बढ़ती थी ।हमारे कार्यकाल में विभिन्न योजनाओं को सुरु किया गया था जो शिक्षा के क्षेत्र में नया आयाम गढ़ने का था जिसे वर्तमान के भाजपा सरकार द्वारा अधिकांश योजनाओं को या तो बन्द कर दिया गया या फिर नाम में परिवर्तन किया जा रहा है। हम सरकार में थे तो योजना बनाकर उसको मूर्त रूप देने का कार्य करते थे पिछले डेढ़ सालों से विष्णुदेव सरकार शिक्षकों की भर्ती करने का लगातार बयान देते है परन्तु धरातल में कुछ भी संभव नहीं कर पा रहे है ।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सेवानिवृत शिक्षकों के साथ ही अन्य शिक्षकों का भी सम्मान किया गया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री शिव कुमार पांडे जी(पूर्व कुलपति)कार्यक्रम के अध्यक्षता मान.श्री सैय्यद फाजिल जी (शिक्षाविद) विशेष अतिथि के रूप में श्री टी.आर. जगदल्ले जी (सेवा निवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी) मान.श्री सीताराम वर्मा जी (शिक्षाविद एवं समाज सेवक)थे ।साथ ही कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राकेश ठाकुर जिला अध्यक्ष दुर्ग ग्रामीण,आशीष वर्मा,जवाहर वर्मा, अश्वनी साहू महेंद्र वर्मा देवेंद्र चंद्रवंशी,अशोक साहू, उमाकांत चंद्राकर,कौशल चंद्राकर, दिनेश साहू,राजेश ठाकुर, खिलेश मारकंडे,विष्णु चंद्राकर, प्रभात वर्मा, पवन पटेल,जय श्री वर्मा, जागेत्री साहू,संगीता ठाकुर,किरण चंद्राकर सालिक साहू नीरज सोनी गोपाल देवांगन,जय प्रकाश चंद्राकर विवेक चंद्राकर आदि उपस्थित थे।

विकासखंड बम्हनीडीह के अंतर्गत शासकीय डीडीएस संकुल के शैक्षिक समन्वक लखन लाल कश्यप सम्मानित

उत्कृष्ट कार्य करने वाले शैक्षिक समन्वयक हुआ सम्मानित

जांजगीर बिर्रा (समय दर्शन)। विकासखंड बम्हनीडीह के अंतर्गत शासकीय डीडीएस बिर्रा संकुल केंद्र के शैक्षिक समन्वयक लखन लाल कश्यप शिक्षक व्याख्याता को उत्कृष्ट सीएससी के लिए शिक्षा विभाग के अंतर्गत समग्र शिक्षा में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बीआरसी भवन बम्हनीडीह में तिलक लगाकर एवं पुष्पहार से स्वागत करते हुए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया है। ज्ञात हो कि वर्तमान में शैक्षिक समन्वयक लखन लाल कश्यप शिक्षक व्याख्याता विकासखंड बम्हनीडीह के अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सोनादह में प्रधान पाठक के पद पर पदस्थ है। जो शासकीय डीडीएस बिर्रा संकुल केंद्र में आता है। विकासखंड बम्हनीडीह में उत्कृष्ट सीएससी के लिए शैक्षिक समन्वयक लखन लाल कश्यप को शिक्षा विभाग के अंतर्गत समग्र शिक्षा में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बीआरसी भवन बम्हनीडीह में श्रीमती रत्ना थवाईत विकासखंड शिक्षा अधिकारी बम्हनीडीह एवं विकासखंड समन्वयक बम्हनीडीह हिरेंद्र बेहार और शिक्षिका ममता जायसवाल आदि के द्वारा सम्मानित किया गया है। इसी तरह सेवानिवृत्ति सीएससी अरुण कश्यप को भी साल एवं श्री फल से सम्मानित किया गया है। लखन कश्यप को उत्कृष्ट शैक्षिक समन्वयक के पद पर सम्मानित होने पर सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

जिला के नक्सल प्रभावित जंगल / पहाडी क्षेत्र के 3 अलग-अलग जगहों पर नक्सलियों द्वारा डम्प किये गये विस्फोटक पदार्थ सहित अन्य नक्सली सामग्री बरामद

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला अंतर्गत सक्रिय शासन द्वारा प्रतिबंधित माओवादी संगठन धमतरी गरियाबंद -नुआपाड़ा डिवीजन के माओवादियों द्वारा पुलिस पार्टी ग्रामीणों को नुकसान पहुंचाने तथा दहशत फैलाने के उद्देश्य से थाना मैनपुर अंतर्गत गोबरा क्षेत्र के पहाड़ी जंगल क्षेत्र में आई.ई.डी. बनाने जैसे सामान को छुपाया हुआ था ।जिसके संबंध में स्थानीय सूचना तंत्रो के माध्यम से सूचना प्राप्त होने पर कार्यवाही करते हुये

जिला मुख्यालय गरियाबंद से जिला पुलिस बल ई-30 ऑपरेशन टीम गरियाबंद द्वारा जंगल पहाडी क्षेत्र की ओर सचिंग अभियान के लिए रवाना हुये थे कि अभियान कार्यवाही के दौरान प्राप्त सूचना अनुसार डम्प एरिया में पहुंचकर बीडीएस टीम द्वारा सघन सर्च किया गया सर्च के दौरान 5 सितम्बर को स्टील कन्टेनर से बने आईईडी बम.नक्सल साहित्य, नक्सली बैनर 1 नग,1 बण्डल इलेक्ट्रानिक वायर, फटाखा बम 57 नग, कॉर्डेक्स वायर 2 मीटर, पावर बैंक 1 नग,नक्सली वर्दी,सिंगल शॉट वैरल, छोटा सोलर प्लेट 1 नग एवं अन्य दैनिक उपयोगी सामग्री बरामद कर माओवादियों के विनाशकारी नीतियों को विफल करने में पुलिस को सफलता प्राप्त हुई।

सेवा परियोजनाओं के माध्यम से विहिप हिंदू समाज की जड़ों को मजबूत कर रहा- अध्यक्ष योगेश

होमन सिंह ठाकुर

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। योगेश साहू विहिप बजरंग दल अध्यक्ष ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद की स्थापना 29 अगस्त 1964 को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ पर्व पर भारत की संत शक्ति के आशीर्वाद के साथ हुई थी। इस साल 17 अगस्त को ही इसका 61 व स्थापना दिवस मनाया गया था, विहिप का उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना, हिंदू धर्म की रक्षा करना, और समाज की सेवा करना है। भारत के लाखों गांवों और कस्बों में विहिप को एक मजबूत, प्रभावी, स्थायी, और लगातार बढ़ते हुवे संगठन के रूप में देखा जा रहा है। दुनिया भर में हिंदू गतिविधियों में वृद्धि के साथ, एक मजबूत और आत्मविश्वासी हिंदू संगठन धीरे-धीरे आकार ले रहा है। फिर तत पश्चात विश्व हिंदू परिषद राकेश राम लोचन तिवारी (जिला मंत्री) ने बताया संगठन में स्वास्थ्य-शिक्षा, आत्म-सशक्तिकरण, आदि के क्षेत्रो में 4277 से अधिक सेवा परियोजनाओं के माध्यम से विहिप हिंदू समाज की जड़ों को मजबूत कर रहा है। विश्व हिन्दू परिषद् के बढते चरण

विहिप हिंदू समाज में व्याप्त अस्पृश्यता जैसी सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन के निरंतर प्रयासों के माध्यम से, समाज को विमुक्त, और अंतर्निहित हिंदू एकता को पुनर्जाग्रत करने के लिए समाज का कायाकल्प कर रही है.और बजरंग दल विभाग संयोजक सौरभ देवांगन जी ने कार्यकर्ताओं को समझते हुए बताया कि विहिप अपने मूल मूल्यों, विश्वासों और पवित्र परंपराओं की रक्षा के लिए श्री रामजन्मभूमि, श्री अमरनाथ यात्रा, श्री रामसेतु, श्री गंगा रक्षा, गौ रक्षा, हिंदू मठ-मंदिर मुद्दा, ईसाई चर्च द्वारा हिंदुओं का धर्मांतरण, इस्लामी आतंकवाद, बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठ ,जैसे मुद्दों को उठाकर हिंदू समाज की अदम्य शक्ति के रूप में स्वयं को स्थापित कर रही है. हिंदू धर्म के सभी संप्रदायों (धर्मों) के सभी धर्माचार्यों का एक मंच पर एकत्रीकरण । हिंदू समाज की सेवा करने की प्रवृत्ति विकसित करने के साथ, सेवा परियोजनाओं की विस्तृत श्रृंखला की संस्थापना ।

सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन में अथक प्रयासो के साथ अपार सफलता। समाज में हिंदू गौरव और एकता की बढ़ी हुवी अभिव्यक्ति। हाल के दिनों में अपने मूल हिंदू धर्म में लाखों लोगों की स्वैच्छिक घर वापसी या 'परावर्तन' फिर आयोजन को आगे बढ़ते हुए जिला सह मंत्री जीवेश उपाध्याय जी ने इस संगठन की स्थापना का उद्देश्य, और इसी उद्देश्य को लेकर आज विश्व हिंदू परिषद अहिवारा प्रखंड के नंदिनी थाना के जस्ट बाजु में मंगल भवन में खंड के कार्यकर्ता एवं विश्व हिंदू परिषद का स्थापना दिवस मनाया गया! जिसमें श्री राम जी की राम दरबार की छायाचित्र पर पुष्प अर्पण भारत माता का छायाचित्र पर पुष्प अर्पण कर एवं दीपक प्रज्वलित करके स्थापना दिवस मनाया गया।

ब्याज की रकम के लिए धमकी देने वाला सूदखोर गिरफ्तार

बलौदाबाजार-भाटापारा। थाना भाटापारा ग्रामीण पुलिस ब्याज की रमक वसूलने के लिए गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देने वाले एक सूदखोर को गिरफ्तार किया है तथा उसके खिलाफ कर्जा एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 17.11.2024 को प्रार्थी अरविंद डांडे निवासी ग्राम देवरी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि रुपए की जरूरत पड़ने पर ग्राम के ही संतोष साहू से वर्ष 2021 में 10,000 उधारी रकम लिया था। 15 दिन बाद उक्त रकम को लौटाने के लिए प्रार्थी उसके घर गया तो, आरोपी बोला कि ब्याज सहित 20,000 लाओ, तब प्रार्थी द्वारा 15 दिन बाद पुन: आरोपी के पास जाकर 20,000 मूलधन सहित वापस किया गया। इसके बाद आरोपी द्वारा कुछ दिन बाद फिर बोला गया कि चक्रवृद्धि ब्याज 35,000 हो गया है। प्रार्थी द्वारा मना करने पर आरोपी संतोष साहू द्वारा प्रार्थी को अश्लील गाली गलौच कर, जान से मारने की धमकी दिया गया, तथा प्रार्थी द्वारा डर कर 35,000 आरोपी को दे दिया गया। इसके बाद भी प्रार्थी द्वारा समय-समय पर आरोपी को रकम देता रहा तथा एक ब्लैंक चेक भी आरोपी को प्रार्थी द्वारा दिया गया। इसके बाद भी आरोपी द्वारा अपने साथी के साथ मिलकर प्रार्थी एवं उसके परिवार वालों को रकम लौटाने के नाम पर धमकी दिया जा रहा था। रिपोर्ट पर थाना भाटापारा ग्रामीण में धारा 308(2), 127(1),296 351(2) बीएनएस एवं 03,04 कर्जा एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

कथक और भरतनाट्यम की प्रस्तुतियों से भक्ति रस में डूबे दर्शक

चक्रधर समारोह में सुर-ताल और घुंघरू की सतरंगी छटा

रायपुर। रायगढ़ में चल रहे चक्रधर समारोह के आठवें दिन नृत्यों ने उत्तर-दक्षिण का संगम कराया। उत्तर भारत की संस्कृति को दर्शाने वाले कथक तो दक्षिण भारत की गौरवशाली पुरातन संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुतियों ने माहौल भक्तिमय कर दिया। समारोह में उपस्थित दर्शक दोनों नृत्यों की प्रस्तुतियों के दौरान भक्ति रस में डूबे रहे।

संगीता कापसे ने कथक में झलकाया कृष्ण लीला और भक्ति भाव- समारोह के आठवें दिन कथक नृत्यांगना और गुरु संगीता कापसे और उनकी होनहार शिष्याओं की प्रस्तुति ने शास्त्रीय नृत्य को कृष्ण भक्ति की गहराई से जोड़ा। उन्होंने तीनताल और झपताल की संरचनाओं पर आधारित नृत्य में श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। संगीता कापसे और उनकी शिष्याओं ने मंच पर 'कृष्ण सांवरिया' प्रसंग को जीवंत किया। आज चक्रधर समारोह में कृष्ण सांवरा की प्रस्तुति रही-कृष्ण के गोकुल आगमन पर खुशी और उल्लास का भाव, माखन चोरी करते समय यशोदा और कृष्ण की ममता का भाव, गोपियों को परेशान करना, फिर कालिया नाग से सारे गोकुल को मुक्त करना और अंत में गोपियों के साथ रास करके प्रेम का संदेश देना। इन सबको उन्होंने भाव और लय की सुंदरता से पिरोया। उनकी प्रस्तुति में कथक का सौंदर्य ही नहीं, बल्कि लोक और शास्त्र के संगम का भी अनुभव हुआ। कार्यक्रम में कला-प्रेमियों ने उनकी नृत्य साधना और कृष्ण भक्ति से ओतप्रोत इस प्रस्तुति को सराहा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मलेशिया और दुबई तक अपनी कला का प्रदर्शन कर चुकी संगीता कापसे को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल चुके हैं। छत्तीसगढ़ में पंजीकृत संगीता कला एकेडमी, रायपुर उनकी संस्था है, जो सामान्य बच्चों के साथ-साथ गरीब बच्चों को भी नृत्य का निरूशुल्क प्रशिक्षण दे रही है और उनकी शिक्षा का दायित्व उठा रही है।

अजीत कुमारी कुजूर और उनकी टीम ने भरतनाट्यम से दिखाई दक्षिण भारत की झलक- छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना अजीत कुमारी कुजूर और उनकी टीम ने भरतनाट्यम की मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी भावपूर्ण अभिव्यक्ति, सधे हुए पदचालन और नृत्य की बारीकियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अजीत कुमारी की प्रस्तुति में दक्षिण भारत की संस्कृति और परंपरा की झलक सजीव रूप में दिखाई दी। उन्होंने भरतनाट्यम के माध्यम से कहानी कहने और भावनाओं को व्यक्त करने के लिए हाथों के हाव-भाव (मुद्रा), चेहरे के भाव (नवरस) और पैरों की तालबद्ध चाल का बेहतरीन उपयोग किया। यह प्रस्तुति न केवल भरतनाट्यम की शास्त्रीयता को दर्शाती थी, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर का अद्भुत संगम भी प्रतीत हुई। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली अजीत कुमारी कुजूर ने जबलपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक और योग में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है। वर्तमान में वह जल संसाधन विभाग, रायपुर में उप अभियंता के पद पर कार्यरत हैं। अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों के साथ-साथ, उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी नृत्य कला से एक विशिष्ट पहचान बनाई है। कला प्रेमियों ने उनकी प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि यह न केवल भरतनाट्यम की उत्कृष्टता को दर्शाती है, बल्कि लगन और समर्पण से कोई भी व्यक्ति अपने पेशेवर जीवन के साथ-साथ अपनी कला साधना को भी नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है। ज्ञात हो कि भरतनाट्यम तमिलनाडु, दक्षिण भारत का एक प्राचीन शास्त्रीय नृत्य है, जिसकी जड़ें मंदिरों में हैं और यह हिंदू धर्म की आध्यात्मिक विचारों और धार्मिक कहानियों को व्यक्त करता है।

केंद्रीय राज्य मंत्री अठावले ने समारोह के आठवें दिन के कार्यक्रम का किया शुभारंभ

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह 2025 का आठवां दिन विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और लोक-शास्त्रीय कलाओं की अनूठी छटा से सराबोर रहा। रामलीला मैदान में आयोजित सुर, ताल, छंद और घुंघरू के आठवें दिन कलाकारों की सजीव प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया और समारोह की गरिमा को नई ऊंचाइयों पर पहुँचा दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार रामदास अठावले ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री अठावले ने कहा कि राजा चक्रधर सिंह केवल रायगढ़ के नहीं, बल्कि पूरे देश के गौरव हैं। वे एक महान शासक, समाजसेवी और संगीत साधक थे। गरीबों, किसानों, मजदूरों और आदिवासी समाज के उत्थान के लिए उन्होंने कार्य किया और कथक को नया आयाम देकर 'रायगढ़ घराने' की स्थापना की। आज उनका यह सांगीतिक धरोहर देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में सम्मान पा रहा है।

मल्लखंभ दल रहा आकर्षण का केंद्र- चक्रधर समारोह में आठवें दिन का मुख्य आकर्षण अबूझमाड़ का प्रसिद्ध मल्लखंभ दल रहा। उनकी रोमांचक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को उत्साहित कर तालियों से सभागार गूंजा दिया। इस अवसर पर रायपुर की आशिका सिंघल, संगीता कापसे संगीत कला अकादमी रायपुर, दुर्ग की देविका दीक्षित, बिलासपुर की श्रीमती वासंती वैष्णव एवं टीम, जबलपुर की श्रीमती निलांगी कालान्तरे और बेंगलुरु के डॉ.लक्ष्मी नारायण जेना ने कथक की विभिन्न शैलियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। रायपुर की श्रीमती अजीत कुमारी कुजूर ने भरतनाट्यम और मुंबई के अर्नव चटर्जी ने मधुर गायन से समा बांध दिया। चक्रधर समारोह के अवसर पर पद्मश्री स्व. डॉ. सुरेन्द्र दुबे की स्मृति में विशेष काव्य संध्या का आयोजन हुआ। कवियों की प्रस्तुतियों में हास्य, वीर रस और व्यंग्य का सुंदर संगम देखने को मिला। दर्शक देर तक तालियों से कवियों का उत्साहवर्धन करते रहे। चक्रधर समारोह में उस समय अविस्मरणीय बन गई, जब अबूझमाड़ से आए मनोज प्रसाद के नेतृत्व में मल्लखंब दल ने मंच पर प्रवेश किया। परंपरा, अनुशासन और अद्भुत संतुलन के साथ खिलाडि़यों ने ऐसा प्रदर्शन किया कि पूरा कार्यक्रम स्थल रोमांचित हो उठा। बस्तर और नारायणपुर के छोटे-छोटे गांवों से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुँचे इंडियाज गॉट टैलेंट सीजन-10 के विजेता नरेंद्र गोटा और फुलसिंह सलाम ने अपने साथियों संग अद्भुत मल्लखंब कला की प्रस्तुति दी।

काव्य संध्या में हास्य, वीर रस और व्यंग्य का संगम

पद्मश्री स्व.डॉ सुरेन्द्र दुबे को भी याद किया गया

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह में आठवें दिन हास्य, वीर रस और व्यंग्य के साथ काव्य पाठ और मधुर गीत-गायन-संगीत की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह की आठवीं शाम छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कवि पद्मश्री स्व.डॉ.सुरेन्द्र दुबे की स्मृतियों को नमन करते हुए एक विशेष काव्य संध्या का आयोजन रायगढ़ के रामलीला मैदान में हुआ। पद्मश्री डॉ.दुबे, जिन्होंने हास्य और व्यंग्य को वैश्विक पहचान दिलाई, अनेक बार इस मंच पर अपनी रचनाओं से श्रोताओं को गुदगुदा चुके थे। उनकी स्मृतियों को समर्पित इस संध्या में प्रदेश के ख्यात कवियों ने वीर रस, हास्य और व्यंग्य की रचनाओं से दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। समारोह में राजनांदगांव के पद्मलोचन मुंहफ्ट ने हास्य, व्यंग्य और पैरोडी से हंसी की फुहारें बिखेरीं।

भिलाई के किशोर तिवारी ने अपने मधुर गीतों से श्रोताओं के दिलों को छू लिया। मुंगेली के देवेन्द्र परिहार ने ओजस्वी वीर रस की कविताओं ने वातावरण को ऊर्जावान बना दिया। रायपुर की शशि सुरेन्द्र दुबे ने गीत और व्यंग्य की रचनाओं से श्रोताओं को गुदगुदाया और सोचने पर विवश किया। रायगढ़ के नरेन्द्र गुप्ता ने वीर रस की कविताओं ने देशभक्ति और पराक्रम की भावना को जीवित किया। बिलाईगढ़ के बंशीधर मिश्रा ने हास्य कविताओं की चुटीली पंक्तियों से माहौल को खुशनुमा बना दिया। कवर्धा के अभिषेक पांडे ने युवा ऊर्जा और समकालीन व्यंग्य से भरी हास्य कविताओं ने मंच को जीवंत किया। बता दे कि गत वर्ष आयोजित 39वें चक्रधर समारोह में डॉ.दुबे ने अपनी चिरपरिचित पैनी व चुटीली कविताओं से मंच को हँसी और व्यंग्य से गूंजा दिया था। अब वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी साहित्य साधना और कला अवदान अमर है। इस काव्य संध्या ने उनके योगदान को सच्ची श्रद्धांजलि दी।

कवियों का परिचय-शशि सुरेंद्र दुबे-छत्तीसगढ़ की जानीमानी कवयित्री और दिवंगत डॉ.सुरेंद्र दुबे की धर्मपत्नी हैं। उन्होंने 'वाह वाह क्या बात हैं' जैसे कई टीवी कार्यक्रमों और दूरदर्शन पर काव्य पाठ किया है। उनका काव्य संग्रह 'पट्टी खोलो गांधारी' प्रकाशित हो चुका है।

NHM कर्मियों ने लिया सामूहिक इस्तीफा का निर्णय, 4800 कर्मचारियों ने सौंपा त्यागपत्र

रायपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (ह।रू) कर्मियों की हड़ताल ने तूल पकड़ लिया है। प्रदेश के सभी 33 जिलों में करीब 16 हज़ार कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफा देने का निर्णय लिया है। राजधानी रायपुर में 1,400 कर्मचारियों ने अपना इस्तीफा सौंपा। सरकार द्वारा 25 अधिकारी-कर्मचारियों की बर्खास्तगी के बाद आक्रोशित कर्मचारी हर जिले में सामूहिक इस्तीफा दे रहे हैं। सुरक्षा के मद्देनज़र रायपुर सीएमएचओ कार्यालय के बाहर पुलिस ने कड़ी बैरिकेडिंग की है।

अलग-अलग जिलों से इस्तीफों की बौछार

बिलासपुर : 735 कर्मचारी सीएमएचओ कार्यालय पहुँचे और इस्तीफा सौंपा।

जगदलपुर : 887 कर्मचारी बर्खास्तगी आदेश के विरोध में सामूहिक इस्तीफा दे चुके हैं।

बलौदाबाजार : 421 कर्मियों ने इस्तीफा सीएमएचओ राजेश अवस्थी को सौंपा।

खैरागढ़ : 180 कर्मचारी धरने पर बैठे; रैली निकालकर जोरदार विरोध और इस्तीफा सौंपा।

बालोद : 502 कर्मियों ने रैली के बाद सीएमएचओ कार्यालय पहुँचकर इस्तीफा सौंपा।

कांकेर : 655 स्वास्थ्यकर्मियों ने जिला स्वास्थ्य अधिकारी को सामूहिक इस्तीफा सौंपा।

आंदोलन का कारण

कर्मचारी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर 18 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। मुख्य मांगों में नियमितीकरण और सेवाओं की सुरक्षा प्रमुख हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार उनकी जायज़ मांगों को दबाने की कोशिश कर रही है और बर्खास्तगी आदेश दमनकारी कार्रवाई है।

अस्पतालों में सेवाएँ प्रभावित

जगदलपुर, बालोद और अन्य जिलों के अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सेवाएँ लगभग ठप हो चुकी हैं। मरीजों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

आगे क्या ?

कर्मचारियों का कहना है कि जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन और उग्र रूप लेगा। सरकार का रुख सख्त है और उसने स्पष्ट किया है कि लोकहित से जुड़े कार्यों में बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ऑपरेशन निश्चय: ड्रग्स सप्लाई मामले में इवेंट मैनेजर समेत 4 और गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन निश्चय' के तहत एक और बड़ी सफलता हासिल की है। थाना गंज में दर्ज एमडीएमए तस्करी प्रकरण में पुलिस ने 4 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें विधि अग्रवाल और ऋ्रीराज टंडन जैसे मुख्य चेहरे शामिल हैं, जो शहर की बड़ी पार्टियों के आयोजन से जुड़े इवेंट मैनेजर बताए जा रहे हैं। अब तक इस मामले में नाव्या मलिक और अयान परवेज समेत कुल 9 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

गिरफ्तार आरोपी-

विधि अग्रवाल, 27 वर्ष, निवासी शुभम कॉर्पोरेट्स आदित्य हाइट्स, तेलीबांधा, रायपुर

सोहेल खान, 29 वर्ष, निवासी दलदली रोड, महासमुंद

जुनैद अख्तर, 28 वर्ष, निवासी बैद्यनाथपारा धोबी गली, रायपुर

ऋ्रीराज टंडन, निवासी जी.टी. हाइट्स, शंकर नगर, रायपुर

कार्रवाई की शुरुआत कैसे हुई ?-

23 अगस्त को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना गंज पुलिस की संयुक्त टीम ने देवेंद्र नगर ओवरब्रिज के पास एक कार से तीन युवकों ङ्क हर्ष आहूजा, मोनू विश्नोई और दीप धनोरिया ङ्क को पकड़ा था। उनके कब्जे से 27.58 ग्राम एमडीएमए, एक कार, ?85,300 नकद और 5 मोबाइल फोन बरामद किए गए। बरामद सामान की कुल कीमत लगभग 20 लाख रुपये आंकी गई। पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह नेटवर्क नाव्या मलिक और अयान परवेज के जरिए संचालित हो रहा था। दोनों को गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ की गई तो विधि अग्रवाल, सोहेल खान और जुनैद अख्तर के नाम सामने आए। इसके बाद गिरफ्तारी का दायरा बढ़ाते हुए ऋ्रीराज टंडन को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

कोर्ट से रिमांड- गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

फिलहाल पुलिस टीम उनसे बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेजेस यानी सप्लाई चेन, खरीदारों और अंतर्राज्यीय नेटवर्क की कड़ियों पर गहन पूछताछ कर रही है।

पुलिस की सख्त रणनीति- रायपुर रेंज के आईजी अमरेश मिश्रा और एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने साफ शब्दों में कहा है कि राजधानी और प्रदेश में सक्रिय नशे के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करना पुलिस की प्राथमिकता है। यह कार्रवाई केवल गिरफ्तारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इस पूरे कार्टेल को खत्म करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। रायपुर पुलिस

पृष्ठभूमि- एमडीएमए को 'पार्टी ड्रग' भी कहा जाता है और यह अक्सर हाई-प्रोफाइल पार्टियों में उपयोग होता है।

पुलिस जांच में यह बात भी सामने आई है कि गिरफ्तार आरोपियों का नेटवर्क इंटरस्टेट सप्लायरों से जुड़ा हुआ है।

अब पुलिस की कोशिश है कि इन लिंक का पीछा कर पूरे नेटवर्क तक पहुंचा जाए।

यह साफहै कि 'ऑपरेशन निश्चय' के तहत हुई यह कार्रवाई नशे के खिलाफ रायपुर पुलिस की एंड-टू-एंड स्ट्रेटेजी का हिस्सा है। आने वाले दिनों में और भी गिरफ्तारियों की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग ने लॉन्च की वॉशर ड्रायर की नई बीस्पोक एआई रेंज, अब स्मार्ट, तेज़ और पूरी सुविधा के साथ धुलेंगे कपड़े

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज अपने नए बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर (12 किलोग्राम वॉश / 7 किलोग्राम ड्राय) को लॉन्च किया है। इसे आधुनिक भारतीय परिवारों के लिए डिज़ाइन किया गया है। सैमसंग का नया 12 किलोग्राम वॉशर ड्रायर कॉम्बो कपड़े धोने और सुखाने का काम एक ही मशीन में करता है। इसमें हर मौसम में कपड़े धोने की सुविधा है और कपड़ों की देखभाल के लिए स्मार्ट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। यह बड़े परिवारों और छोटे शहरी घरों के लिए जगह बचाने वाला शानदार उपकरण है। सैमसंग इंडिया द्वारा हाल ही में किए गए एक उपभोक्ता अध्ययन के अनुसार वॉशर ड्रायर की मांग बढ़ रही है क्योंकि यह कपड़ों को धूल और कीटाणुओं से बचाता है और हर मौसम में कपड़े सुखाने की मेहनत से छुटकारा दिलाता है। यह बदलाव उन उपकरणों की बढ़ती आवश्यकता को दर्शाता है जो प्रदर्शन और सुविधा दोनों चाहते हैं। यह उन परिवारों के लिए खास है जहां ज्यादा और बड़े कपड़े धोये जाते हैं और जिनके पास सुखाने की जगह कम है। सैमसंग का बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर रेंज इन जरूरतों को पूरा करता है, जो कपड़े धोने और सुखाने को आसान, किफायती और कपड़ों की देखभाल करने वाला बनाती है। सैमसंग का नया इंटीग्रेटेड वाशर ड्रायर कॉम्बो फीचर के साथ आता है जोकि कपड़ों को मशीन से सीधे सुखाने की रस्सी पर ले जाने की सुविधा देता है। यह मशीन गर्मी, सर्दी या बारिश, हर मौसम में कपड़े धोने और सुखाने का काम आसानी से करती है।

सैमसंग ने एआई इनोवेशंस, बेहतर ड्यूरैबिलिटी और ओआईएस इनेबल्ड नो-शेक कैमरा के साथ लॉन्च किया स्टाइलिश गैलेक्सी A17 5G

गुरुग्राम: सैमसंग, भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज अपना सबसे किफायती गैलेक्सी‚ सीरीज एआई स्मार्टफोन गैलेक्सी ‚१७ ५त्र लॉन्च किया। यह 7.5 द्वद्व पतला और अपने सेगमेंट का सबसे स्लीक फोन है। इसका वजन सिर्फ 192 ग्राम है, जिससे इसे पकड़ना और इस्तेमाल करना आसान है। गैलेक्सी‚१७ ५त्र , गैलेक्सी ‚१६ ५त्र की सफलता को आगे बढ़ाता है, जो भारत में सैमसंग के सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन्स में से एक है। गैलेक्सी‚१७ ५त्र ने भारत में ज्यादा से ज्यादा दर्शकों के लिए फ्लैगशिप इनोवेशन लाने की गैलेक्सी‚ सीरीज की विरासत को आगे बढ़ाया है। गैलेक्सी‚१७ ५त्र के साथ, उपभोक्ताओं को स्टाइलिश और स्लीम डिज़ाइन, भरोसेमंद प्रदर्शन, और किफायती कीमत पर स्मार्ट एआई फीचर्स मिलते हैं। गैलेक्सी‚१७ ५त्र में सेगमेंट के सर्वश्रेष्ठ एआई फीचर्स, डिस्प्ले, कैमरा, सुरक्षा फीचर्स, कॉलिंग अनुभव और ओएस अपग्रेड्स हैं, जो इसे त्योहारी सीजन के लिए सैमसंग के सबसे बढ़िया ऑफर्स में से एक बनाते हैं। राजू पुल्लन, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, एमएक्स बिजनेस, सैमसंग इंडिया ने कहा गैलेक्सी‚ सीरीज हमारा सबसे पसंदीदा स्मार्टफोन है क्योंकि यह यूजर्स को किफायती दामों में शानदार फीचर्स देता है। गैलेक्सी‚१७ ५त्र हमारा सबसे किफायती एआई स्मार्टफोन है, जिसमें सर्कल टू सर्च और जेमिनी लाइव जैसे लोकप्रिय एआई फीचर्स हैं।

एक्सिस मैक्स लाइफइंश्योरेंस ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली : एक्सिस मैक्स लाइफइंश्योरेंस लिमिटेड ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ('आईपीपीबी') के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी का लक्ष्य टियर 1 शहरों से परे ग्रामीण भारत के उभरते क्षेत्रीय बाजारों में किफायती लाइफइंश्योरेंस समाधानों की पहुंच बढ़ाना है। उल्लेखनीय है कि एक्सिस मैक्स लाइफइंश्योरेंस लिमिटेड को पहले मैक्स लाइफइंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, एक्सिस मैक्स लाइफके चीफडिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर सुमित मदान ने कहा, 'इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के साथ यह साझेदारी लाइफ इंश्योरेंस को मेट्रो शहरों से परे भारत के उभरते क्षेत्रीय एवं ग्रामीण बाजारों तक पहुंचाने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूती देगी। इन क्षेत्रों में पारंपरिक तौर पर बीमा की पहुंच बहुत कम है। हम शहरी भारत में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे, लेकिन इसी के साथ उन समुदायों के बीच पहुंच बढ़ाना और भरोसे को मजबूत करना भी हमारी प्राथमिकता में है, जो विकास के नए मोर्चे का प्रतीक हैं। आईपीपीबी के बड़े पोस्टल नेटवर्क के माध्यम से हमारे लाइफ इंश्योरेंस एवं गारंटीड प्रोडक्ट्स को सुलभ बनाते हुए यह साझेदारी हमें बैंकिंग सिस्टम के लिए नए और पहली बार बीमा लेने वाले ग्राहकों तक पहुंचाएगी। इसमें आईपीपीबी जैसे सरकारी संस्थानों पर उनके भरोसे का भी हमें लाभ मिलेगा।' इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के सीजीएम एवं सीएसएमओ श्री गुरशरण राय बंसल ने कहा, 'आईपीपीबी भारत सरकार के वित्तीय समावेश के लक्ष्य को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है और एक्सिस मैक्स लाइफइंश्योरेंस के साथ हमारी साझेदारी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों में हमारी पहुंच का लाभ लेते हुए हमें भरोसा है कि यह साझेदारी ऐसी बड़ी आबादी तक लाइफइंश्योरेंस सॉल्यूशंस को पहुंचाएगी, जो अब तक इससे दूर हैं।

रग उत्सव 2025 बाय जयपुर रग्स: जहाँ लग्ज़री मिलती है विरासत से और हर धागा बदलता है एक जीवन

नईदिल्ली। वैश्विक स्तर पर शिल्प और सामाजिक उद्यमिता का प्रतीक बन चुका जयपुर रग्स अपने रग उत्सव को लेकर आ रहा है, यह क्रिएटिविटी, कल्चर और इम्पैक्ट का भव्य उत्सव है, जिसकी शुरुआत 3 सितम्बर से हो रही है। इस साल का एडिशन अब तक के सभी आयोजनों से अलग है, जिसमें 14,000 से अधिक हैंडमेड रग्स का अद्भुत संग्रह शामिल है, जो भारत की बुनाई परंपराओं की आत्मा को आज की डिज़ाइन के साथ खूबसूरती से जोड़ता है। इस वर्ष का क्यूरेशन आलम, जेनेसिस, सवाना, कॉन्कॉक्शन, दा हास, वुंडरकैमर, कलीएडो, क्लैन, बेसिस, लाकुना, एर्बे, इंडसबार, नोमैडिक थ्रेड्स, अकार, और कॉन्टूर जैसी सिग्नेचर कलेक्शंस को प्रस्तुत करता है। फेस्टिवल की सबसे खास झलक है अवॉर्ड-विनिंग मनचाहा कलेक्शन के करीब 200 अनोखे रग्स जो सीधे ग्रामीण कारीगरों की कल्पनाओं से बुने गए हैं और हर एक रग एक व्यक्तिगत और गहरी कहानी कहता है। संग्रहकर्ताओं के लिए, रग उत्सव 2025 दुर्लभ अवसर लेकर आया है: 2,000 विंटेज रग्स (30-50 साल पुराने) और 250 एंटीक रग्स (100 साल से अधिक पुराने)। यह इसे अपने तरह का सबसे बड़ा रग प्रदर्शनी बनाता है।

संपादकीय

जनसांख्यकीय परिवर्तन साजिश

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का कहना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यकीय परिवर्तन सोची-समझी साजिश के तहत हो रहा है, जो देश और इसकी सीमाओं की सुरक्षा को सीधे प्रभावित करता है। उन्होंने सीमाओं से तीस किलोमीटर के दायरे में सभी अतिक्रमण हटाए जाने की बात उठाई। समुद्री और स्थलीय सीमाओं पर अतिक्रमण हटाने में सराहनीय कार्य करने के लिए गुजरात सरकार की प्रशंसा भी की। दिल्ली में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सीमावर्ती गांवों से पलायन रोकने, वहां के प्रत्येक नागरिक को सरकारी योजनाओं का सौ फीसद लाभ देने और गांवों की सीमा तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को पुख्ता करने को विकसित करने की चर्चा की। केंद्र सरकार द्वारा फरवरी, 2023 से शुरू की गई इस योजना के तहत उत्तरी सीमा पर स्थित अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल और केंद्रशासित लद्दाख के उन्नीस जिलों के 46 प्रखंडों को व्यापक विकास के लिए लिया जा चुका है। इनमें से कुछ को भारत का अंतिम गांव कहा जाता है, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रथम गांव की संज्ञा दी है। इस देशव्यापी विकास योजना के अंतर्गत सरकार यहां महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण, सड़क मागरे की कनेक्टिविटी, स्वच्छ पेयजल, बिजली, पर्यटन और स्वास्थ्य केंद्रों के सुधार पर काम कर रही है। बेशक, देश के सीमावर्ती गांवों की लंबे समय तक होती रही उपेक्षा के चलते स्थानीय ग्रामीणों को पलायन करना पड़ता था। रोजगार और शिक्षा, स्वास्थ तथा बेहतर जीवन यापन के लिए वे करीबी कस्बों या शहरों में जाकर बस जाते थे। देश में तकरीबन सवा छह लाख गांव हैं जिनमें से अधिकतर कृषि, पारंपरिक उत्पादों, संस्कृति, लोक गीतों-लोक नृत्यों के अलावा नदियों, झीलों और उपज के लिए प्रसिद्ध हैं। परंतु उचित शिक्षा, रोजगार, बिजली, पेयजल और इंटरनेट की कमी के चलते नौजवान वहां रहने को राजी नहीं होते। खासकर सीमावर्ती गांवों के इंफ्रास्ट्रक्चर, संस्कृति के संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा देकर रोजगार निश्चित करने का प्रयास कर रही है। परंतु इन गांवों की सुरक्षा भी अहम मुद्दा है। ग्रामीण परिवार नौजवानों की सुरक्षा को लेकर भी कम आशंकित नहीं रहते। सरकारी दावों और धरातली हकीकत में कई दफा जमीन-आसमान का अंतर देखने में आता है जिससे सरकार को गंभीरतापूर्वक निपटने के प्रयासों को तेज करना आवश्यक है। सवाल सिर्फ सीमावर्ती गांवों का ही नहीं है। सामाजिक-आर्थिक बदलाव और आधुनिकीकरण के चलते नौजवानों का शहरों की तरफ हो रहा पलायन रोकना बड़ी चुनौती बनती जा रही है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हरी झंडी दी

अजय दीक्षित

दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर आयोजित नए क्षितिज कार्यक्रम में बोलते हुए एक प्रश्न के उत्तर में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि उनकी तरफ से राजनीति में 75 वर्ष रिटायरमेंट की आयु जैसा उन्होंने कभी कुछ नहीं कहा है न वे इस आयु रिटायर हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कह दिया कि हम भारतीय जनता पार्टी के विषय में कोई आदेश देते हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद चुनाव में उनकी कोई भूमिका नहीं है। मोहन भागवत के इस कथन से पिछले एक साल से चली आ रही रिटायर होने की खबर पर विराम लग गया है और एक तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हरी झंडी मिल गई है। दरअसल कुछ दिनों पहले मोहन भागवत ने स्व मोरोपंत पिंगल को उद्धत कर कह दिया था। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा चल निकली थी कि शायद मोदी 2029 से पहले अवकाश ग्रहण करेंगे और उस श्रेणी में राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण, लालमणि चौबे,सहित अनेक नेता भी शामिल थे। इसी आधार पर कलराज मिश्र, होशियारी, भुवन चंद्र खंडूरी,आदि को भी अवकाश दिया गया था। नयी दिल्ली में तो बकायदा प्रधानमंत्री पद के लिए संभावित नेताओं के नाम मीडिया में आने लगे थे जिसमें सबसे बड़ा नाम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ,का था। जानकार सूत्रों ने बताया है कि संघ ने इस मामले में जनता और कार्यकर्ताओं का रिएक्शन आने का इंतजार किया। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकल्प नहीं निकल पाया तो संघ ने स्थिति स्पष्ट करने में ही संगठन की भलाई समझी।दूसरे सर कारवाहा दत्तात्रेय होसबोले , ने भी अपनी भूमिका निभाई,। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मामलों के जानकार जानते हैं कि इस प्रकार के सोच विचार नागपूर में चलते रहते हैं। योगी आदित्यनाथ, मोहन यादव, देवेंद्र फडणवीस, सी पी राधाकृष्णन, रेखा गुप्ता इसी विचार का परिणाम है। भारतीय जनता पार्टी जब से बनी है उसमें केवल अटल बिहारी वाजपेई ही ऐसे नेता रहे जो संघ की पकड़ से बाहर तो नहीं थे लेकिन अपने विस्तृत जनाधार के कारण संघ की मजबूरी भी थे । लालकृष्ण आडवाणी, के वो कृष्णमूर्ति, कुशाभाऊ ठाकरे, संघ की पसंद थे। नए क्षितिज कार्यक्रम में बोलते हुए मोहन भागवत ने और भी कई बिंदुओं को लेकर अपने विचार रखे।सबसे प्रमुख बात जो उन्होंने बताई कि 15 वीं सदी में ईरान के लोगो ने कहा कि हिमालय के उस पार वाले क्षेत्र में हदवा लोग रहते हैं। इसी से बना हिन्दू। हिंदू कोई धर्म नहीं है बल्कि भारतीय उप महाद्वीप में रहने वाला मनुष्य हिन्दू चाहे वह किसी भी धर्म को मानता हो यहां तक कि मुस्लिम भी।अभी भी मक्का मदीना में भारतीय मुस्लिमों को हिंद मुसलमान कहते हैं। संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार ने 1925 में इन हिन्दू लोगों के लिए ही संघ की स्थापना की थी।

ट्रंप टैरिफ चुनौती के बीच अर्थव्यवस्था की ताकत बनता कृषि क्षेत्र

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

ट्रंप के टैरिफवार के दौरान ही 2025 वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के जीडीपी के परिणाम इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाते है कि ट्रंप द्वारा हमारी अर्थव्यवस्था को मृत अर्थव्यवस्था करार देने के बावजूद चीन से भी हमारी जीडीपी विकास दर अधिक रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन एनएसओ द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार जीडीपी 7.8 प्रतिशत रही है। यह पिछले एक साल यानी कि अप्रैल-जून 2024, जुलाई-सितंबर 2024, अक्टूबर-दिसंबर 2024 और जनवरी-मार्च 2025 की तुलना में भी अधिक है। सबसे खासबात यह है कि जीडीपी में बढ़ोतरी का श्रेय कृषि और सर्विस सेक्टर को जा रहा है। कृषि सेक्टर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह अर्थ व्यवस्था का प्रमुख स्तंभ है और तेजी से विकसित होती भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। निश्चित रुप से इसका श्रेय अन्नदाता को तो जाता ही है इसके साथ ही सरकार की किसानोन्मुखी और कृषिनोन्मुखी नीति को भी जाता है। कृषि और संबंध क्षेत्र जिसमें कृषि के साथ ही पशुपालन, वानिकी और मत्स्य पालन शामिल है। एक मोटे अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का 14 प्रतिशत योगदान है तो प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से 50 प्रतिशत से अधिक लोगों की आजीविका एग्रीकल्चर सेक्टर पर आज भी निर्भर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को पूरा करने में कृषि क्षेत्र में भी पीछे नहीं रहने वाला है। देश में करीब 51 प्रतिशत यानी कि 159 मिलियन हैक्टेयर भूमि में खेती हो रही है। इसमें से 50 प्रतिशत से कुछ अधिक भूमि ही सिंचित है जबकि बहुत बड़ा क्षेत्र मानसून की मेहरबानी पर निर्भर है। यह एक सकारात्मकता है कि इस साल अभी तक मानसूनी बरसात औसत से अधिक और अच्छी बरसात हुई है। पिछले सालों में भी मानसून अनुकूल रहने से कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है।

कृषि और अन्नदाता की महत्ता को कोरोना काल ने बेहतर तरीके से समझा दिया है। कोरोना काल में कृषि सेक्टर ने दो तरह से सहभागिता निभाई। एक तो जहां सब कुछ लॉक डाउन की भेंट चढ़ रहा था यहां तक कि घर में कैद होकर रह गए थे तब भी कृषि सेक्टर अपनी प्रभावी भूमिका निभाता रहा वहीं दूसरी और अन्नदाता की मेहनत से देश के गोदामों में भरे खाद्यान्नों के भण्डारों ने देश में खाद्यान्न की उपलब्धता बनाये रखी। आज भी करीब 80 करोड़ देशवासियों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। यह अपने आप में बड़ी बात है। योजनाबद्ध तरीके से एक और किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं वहीं खासतौर से दलहन-तिलहन में भी देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास जारी है। किसान सम्मान निधि किसानों के लिए बड़ा सहारा बनती जा रही हैं वहीं ब्याजमुक्त कृषि ऋण, केसीसी का बढ़ता दायरा और ई नाम मण्डी, प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा, स्टोरेज सुविधा बढ़ाने के साथ ही समय पर खाद-बीज आदि की उपलब्धता का प्रभाव सामने हैं। एनएसओ की रिपोर्ट के अनुसार कृषि क्षेत्र की जीडीपी में भागीदारी 3.7 प्रतिशत रही है जबकि साल भर पहले यह 1.5 थी। ऐसे में यह अपने आप में आशा का संचार है। निर्यात के क्षेत्र में भी कृषि सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दरअसल अमेरिका और ट्रंप का निशाना हमारा कृषि क्षेत्र और डेयरी क्षेत्र प्रमुखता से हैं। अमेरिका के आगे सरेण्डर होने के स्थान पर हमारी सरकार ने ट्रंप के टैरिफ से निपटने का संकल्प लिया है यह अपने आप में बड़ी बात है। हो सकता है कि आने वाली तिमाही में ट्रंप टैरिफका असर दिखाई दे पर जिस तरह से सरकार द्वारा वैकल्पिक प्रयास आरंभ किये जा रहे हैं उससे लगता है कि अर्थ व्यवस्था पर नकारात्मक असर नहीं होगा या होगा भी तो देश इससे निपटने को तैयार है। 50 प्रतिशत टैरिफ की चुनौती को आज समूचा देश निपटने को तैयार है। हालांकि ट्रंप ने सोचा था कि हम सरेण्डर कर देंगे, ड्र जाएंगे पर अब गीदड़ भभकी बेअसर होती देखकर ट्रंप की खीज अवश्य बढ़ने लगी है। पर यह नहीं भूलना चाहिए कि ट्रंप को अपने देश में ही अपनी तुगलकी नीति के कारण देर सवेर मुंह की खानी पड़ेगी। हालांकि अमेरिकी कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफनिर्णय को अनुचित करार दे दिया है। आने वाले दिनों में इसके प्रभाव अमेरिका में और अधिक दिखाई देंगे क्योंकि हम और हमारी सरकार ट्रंप की चुनौती से निपटने के लिए मानसिक रुप से तैयार हो चुकी है।

खैर यह विषयांतर होगा। कहने का अर्थ है कि यह और आने वाले साल भी खेती-किसानी के लिए सकारात्मक ही होंगी। रबी के अच्छे परिणाम आये हैं। चालू खरीफ में अच्छे मानसून के चलते अच्छी बुवाई हुई है। बुवाई क्षेत्र बढ़ा है। सरकार भी बड़े लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। हालांकि यह कटु सत्य है कि ग्रामीण रहवासियों की आजीविका का प्रमुख माध्यम खेती ही है तो समूचे देश की खाद्य सुरक्षा की जिम्मेदारी भी इसी क्षेत्र के पास है। अमेरिकी नीति के कारण निर्यात पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को भी अन्य देशों को निर्यात बढ़ाकर पूर्ति करने की बड़ी चुनौती है। इसके साथ ही खेती किसानी की अपनी चुनौतियां बरकरार है। आज भी कुल कृषि उत्पादन का 10 से 15 प्रतिशत उत्पादन फसलोत्तर सुविधाओं की कमी के कारण बर्बाद हो जाता है। कृषि जोत कम होती जा रही है। बढ़ते शहरीकरण का प्रभाव भी पड़ रहा है। कृषि क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज, परिवहन की कोल्ड चेन और भण्डारण की बेहतर व्यवस्थाओं की दरकार है। कृषि प्रसंस्करण क्षेत्र और फूड पार्क जिस तरह से आकार लेने चाहिए थे वे ले नहीं पाये है। बीमा क्षेत्र में भी बहुत किया जाना अपेक्षित है तो कृषि उपज की खरीद व्यवस्था और एमएसपी खरीद को लेकर भी तेजी से काम किया जाना है। सरकार को एक बात समझनी चाहिए कि खेती क्षेत्र में जो भी सब्सिडी देय है उसे उत्पादकता से जोड़ा जाये यथा कृषि इनपुट या यों कहे कि खाद-बीज, कीटनाशक आदि के किट के रुप में उपलब्ध कराया जाये तो उसका लाभ अनुदानित राशि के स्थान पर इनपुट मिलने से उसका उपयोग खेती किसानी में ही होने से उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में ही होगा। इसी तरह से खरीद व्यवस्था में बहुत सुधार के बावजूद अभी भी बहुत करते हुए बिचौलियों को व्यवस्था से दूर करना होगा। खैर यह सब दीर्घकालीन सुधार कार्य है पर बेहतर जीडीपी प्रदर्शन और कृषि क्षेत्र की उल्लेखनीय हिस्सेदारी को प्रोत्साहित करते हुए सराहना की जानी चाहिए।

नक्शे राष्ट्रों के हथियार हैं, जिनकी रेखाएँ भूगोल से नहीं, ताक़त से बदलती हैं

श्रुति व्यास

नक़्शा—तीन अक्षरों का छोटा-सा शब्द, मासूमियत से भरा और तभी अक्सर नज़रअंदाज़ किया जाने वाला। हमें सिखाया गया कि यह बस दुनिया का एक चित्र है। एक पन्ना जिस पर महाद्वीप ऐसे चिपके हैं मानो नीले समुद्र पर तैरते कागज़ी कट-आउट हों। अक्षांश-देशांतर की रेखाएँ उसे थामे रहती हैं, भूमध्य रेखा बेल्ट की तरह उसे संतुलन देती है। बच्चे के लिए यह तथ्य है, छात्रों के लिए पाठ, और हममें से अधिकतर के लिए एक सामान्य आवश्यकता।

लेकिन नक़्शा, यह छोटा शब्द, असल में बहुत भारी और महत्वपूर्ण है। नक़्शे कभी मासूम नहीं होते। वे निष्पक्षता का भ्रम रचते हैं, और यही भ्रम उनकी सबसे बड़ी ताक़त है। और हम इसे महसूस नहीं करते—जब तक कि अचानक महसूस न हो जाए। एशिया फैलता जाता है, लेकिन उत्तर अमेरिका असमान रूप से बड़ा खींचा जाता है। यूरोप—छोटा-सा भूभाग—केंद्र में इतरा कर बैठा है, आकार से कहीं ज़्यादा आत्मविश्वास झलकाते हुए। ऑस्ट्रेलिया कोने में लटकता, ध्यान खींचने की कोशिश करता है। और अफ़्रीका—हमेशा विशाल, हमेशा अनिवार्य—नीचे खिसकाया गया, सिकुड़ा हुआ, मानो किसी शांत उपसंहार की तरह।

नक़्शा निष्पक्ष होने का दिखावा करता है, पर हर रेखा एक चुनाव है, हर छूट एक फ़ैसला, हर प्रोजेक्शन एक दृष्टिकोण। यह हमें बताता है कि कौन केंद्र में है और कौन हाशिए पर, कौन बड़ा है और कौन ग़ैर-ज़रूरी। नक़्शे दर्पण भी हैं और मिथक भी—धरती को दिखाते हुए उसे किसी की दृष्टि के अनुसार मोड़ देते हैं। नक़्शा पढ़ना मतलब राजनीति पढ़ना है—मौन में। सरहदें, अनुपात, रिक्त जगहें—सबमें नक़्शानवीस का अधिकार दर्ज होता है। सीमाएँ कहाँ खींचनी हैं, कौन-सा भूभाग उभारना है, क्या मिटा देना है—ये वैज्ञानिक दुर्घटनाएँ नहीं, दृष्टि के और अक्सर विजय के कार्य होते हैं।

वह परिचित मर्केटर नक़्शा—जो हमारी स्मृतियों में दर्ज है और आज भी गूगल पर चलता है—अब चुनौती के घेरे में है। अफ़्रीकी संघ ने कह दिया है कि बहुत हुआ, अब और बरदास्त नहीं। इस महीने उसने 16वीं सदी की मर्केटर प्रोजेक्शन—जो अब तक स्कूलों, किताबों और संस्थानों का डिफ़ॉल्ट था—को छोड़ने के अभियान का समर्थन किया। इसकी जगह ऐसा नक़्शा लाने की माँग है जो अफ़्रीका को उसके असली पैमाने पर रखे। मर्केटर प्रोजेक्शन सच्चाई के लिए नहीं बना था। 1569 में गेरार्डस मर्केटर ने इसे नाविकों के लिए तैयार किया था—ताकि समुद्र पर सीधी रेखाएँ मिलें, न कि ज़मीन का ईमानदार अनुपात। और इसी में अफ़्रीका सिकुड़ गया और यूरोप फूल गया। यह विकृति सुविधाजनक साबित हुई- यूरोप मज़बूत दिखा, और उपनिवेशित महाद्वीप छोटे, तुच्छ। ताक़त नक़्शे पर खींची गई और अफ़्रीका को छोटा कर दिया गया।

यह केवल नक़्शानवीसों की बारीक़ी का झगड़ा नहीं, बल्कि इतिहास का घाव है। क्योंकि नक़्शे सिर्फ़ महाद्वीपों को नहीं बिगाड़ते, वे तक़दीरें भी बदलते हैं। जल्दबाज़ी में खींची गई सरहदें, भूगोल या संस्कृति की परवाह किए बिना, पीढ़ियों तक ख़ून बहाती हैं। भारत-पाकिस्तान की रेखा ऐसी ही चोट थी। ब्रिटिश वकील सिरिल रैडक्लिफ़—जिन्होंने उपमहाद्वीप में कभी क़दम नहीं रखा था—से पाँच हफ़्तों में देश बाँटने को कहा गया। उनकी स्याही ने गाँव, परिवार, इतिहास बाँट डाले। यह याद दिलाते हुए कि नक़्शे राह दिखाते ही नहीं, घाव भी देते हैं। भारत-चीन की सीमा पर भी वही भूत है। 1914 में खींची गई मैकमोहन रेखा—औपनिवेशिक अफ़सर की कलम से—आज भी विवाद का कारण है। उसकी पराई स्याही अब भी हिमालय में संघर्ष भड़काती है। और यह विकृति सिर्फ़ अतीत तक सीमित नहीं। आज भी दुनिया की नक़्शानवीस ताक़तें—अमेरिका का गूगल, चीन के राज्य एटलस, वाशिंगटन के आधिकारिक नक़्शे—सरहदों को राजनीति के दावों के अनुसार मोड़ते हैं। नक़्शे राष्ट्रों के हथियार हैं, जिनकी रेखाएँ भूगोल से नहीं, ताक़त से बदलती हैं। इस दृष्टि से देखें तो मर्केटर के ख़िलाफ़ अफ़्रीका का विरोध एक बड़े हिसाब-किताब का हिस्सा है। सदियों तक नक़्शे साम्राज्यों के औज़ार रहे हैं—किसी को सिकोड़ने, किसी को बढ़ाने, कुछ सरहदों को वैध ठहराने और कुछ को कुचलने का। नक़्शे को सुधारना सिर्फ़ काग़ज़ पर अनुपात ठीक करना नहीं है। यह गरिमा की माँग है—हाशिए पर नहीं, केंद्र में देखे जाने की माँग। शायद इसी वजह से अफ़्रीकी संघ की माँग गूँजती है। यह घमंड का मामला नहीं, भूगोल का नहीं। यह नज़र का मामला है—दृष्टि को वापस लेने का। नक़्शा—तीन अक्षरों का छोटा-सा शब्द—इतिहास का बोझ ढो रहा है, और अब उसे फिर से लिखा जाने की माँग उठ रही है। और ठीक ही है। क्योंकि अगर नक़्शे झूठ बोल सकते हैं, तो उन्हें सुधारा भी जा सकता है।

भारत के प्रधानमंत्री को पूरा विश्व दे रहा सम्मान और विपक्ष कर रहा अपमान

मृत्युंजय दीक्षित

बिहार विधानसभा चुनाव -2025 को लेकर राजनैतिक दलों की गतिविधियां तीव्र हो चली हैं । यद्यपि अभी वहां चुनाव होने में दो माह से अधिक का समय शेष है तथापि चुनावी घमासान चरम पर पहुंच गया है। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को ठीक करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर कराया तो राहुल बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ वोटर अधिकार यात्रा निकालने में लग गए जिसमें उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव सहित तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन भी शामिल हुए।

राहुल गांधी की यह यात्रा तो थी वोटर अधिकार रैली किंतु आगे बढ़ते हुए बन गई बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिया बचाओ और उनको मतदाता बनाओ रैली। राहुल गांधी की बिहार में आयोजित वोटर अधिकार रैली में भारत के प्रति अपनेपन का गहरा अभाव रहा। तमिल नेता स्टालिन को बुलाकर हिंदी भाषा का अपमान किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे व राहुल गांधी सहित अन्य नेताओं ने पटना रैली में भारत व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित चुनाव आयोग के खिलाफ जी भरकर नफरत भरी बयानबाजी की और अपशब्द कहे। यात्रा अंतिम चरण तक पहुँचते पहुँचते इतनी जहरीली हो गई कि राहुल के करीबी नेताओं ने भरे मंच प्रधानमंत्री की माँ के लिए लिंगवाचक गालियों का प्रयोग कर दिया। इस प्रकार राहुल गांधी अपना परमाणु बम प्रभावहीन होने बाद हाइड्रोजन बम की तलाश में हैं।

वोटर अधिकार यात्रा अराजकता और राहुल गांधी व उनके समर्थकों की अनुशासनहीनता और अभद्रता के प्रदर्शन के कारण ही चर्चा में रही। जिस समय पूरा वैश्विक समुदाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को सुनना और उनका मार्गदर्शन प्राप्त करना चाह रहा है, उनके नेतृत्व में एक नया वर्ल्ड आर्डर आकार ले रहा है उस समय राहुल गांधी -तेजस्वी यादव व अन्य नेताओं ने मोदी व उनकी मां तक का अपमान करने का कोई अवसर नही छोड़ा। राहुल गांधी के नेतृत्व वाला संपूर्ण विपक्ष बहुत ही ओछी प्रवृत्ति का उदाहरण प्रस्तुत करता रहा।

बिहार के दरभंगा जिले में कांग्रेस के मंच से एक स्थानीय मुस्लिम नेता मोहम्मद रिजवी ने प्रधानमंत्री मोदी की मां को अपशब्द कहे, उससे भी आश्चर्यजनक बात यह रही कि राहुल गांधी ने अपने कार्यकर्ता की उस शर्मनाक हरकत के लिए सार्वजनिक माफी तक नहीं मांगी बल्कि अलग अलग तरह से उसका बचाव किया। वोटर अधिकार रैली का सारा प्रकरण अब प्रधानमंत्री मोदी व उनकी मां के अपमान की ओर झुक गया। प्रधानमंत्री मोदी की मां के अपमान की चारों ओर निंदा हो रही है । जो लोग वोट चोर के नारे से नायक बनने निकले थे अब उनके चेहरे पर हवाईयां उड़ती दिख रही हैं।

पीएम मोदी को 111वीं गाली व मां का अपमान अब विपक्ष पर भारी- हर बार की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विरोधी दलों के नेताओं की गालियों को अपना हथियार बना लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार की महिलाओं को एक कार्यक्रम में भोजपुरी में संबोधित करते हुए इसे केवल अपनी मां का नहीं अपितु देश की हर मां बहन और बेटी का अपमान बताया। प्रधानमंत्री मोदी का यह भावुक संबोधन सुनकर बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व वहां पर उपस्थित तमाम मातृशक्ति के आंखां में अश्रु आ गए। बिहार में भाजपा व राजग गठबंधन ने इसे लेकर सफलतापूर्वक पूर्ण बंद किया है। राजग गठबंधन की ओर से आयेजित बंद को बिहार में पूर्ण समर्थन मिल रहा है अनेक स्थानों पर महिला कार्यकर्ता ही बंद का आयोजन कर रही हैं।

इतिहास साक्षी है कि जब -जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपशब्द कहे गए हैं या उनका सार्वजनिक अपमान किया गया है तब -तब उन्हें राजनैतिक लाभ हुआ है। मोदी जी जब से प्रधानमंत्री बने हैं तभी से कांग्रेस व विरोधी दलों के नेताओं में उन्हें अपशब्द कहने की होड़ लगी है। आज कांग्रेस का कोई नेता ऐसा नहीं बचा है जिसने उन्हें गाली न दी हो या फिर अपमानित न किया हो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मौत का सौदागर से लेकर जहरीला सांप, नीच आदमी, रावण, भस्मासुर और वायरस तक कहा जा चुका है। दिसंबर 2017 में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि, यह बहुत नीच किस्म का आदमी है इसमें कोई सभ्यता नहीं है। कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने मोदी बोटी बोटी काटने की बात कही थी। बेनी प्रसाद वर्मा ने पागल कुत्ता बताया था। एक समय था जब कांग्रेस नेता शशि थरूर ने प्रधानमंत्री मोदी को गालियां देने की झड़ी लगा दी थी। सोनिया और राहुल सहित कांग्रेस के 12 ऐसे नेता हैं जिन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को जमकर गालियां दी और हर गाली के बाद देश में जहां भी चुनाव हुए वहां का राजनैतिक वातावरण बदल गया। प्रधानमंत्री मोदी के विरुद्ध निजी अपमानजनक टिप्पणी कांग्रेस को हमेशा नुकसान पहुंचाती है लेकिन यह बात राहुल गांधी व उनके सलाहकार समझ नहीं पा रहे हैं। राजनैतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि प्रधानमंत्री मोदी की स्वर्गीय मां के अपमान से अब बिहार की राजनीति पूरी तरह से बदल गई है। प्रधानमंत्री मोदी व एनडीए समर्थक कार्यकर्ताओं में अभूतपूर्व आक्रोष व्याप्त हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी की मां का अपमान एक मुस्लिम नेता ने किया है और राहुल गांधी ने केवल मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में ही वोटर अधिकार यात्रा निकाली है जिसका असर यह होगा कि अब वहां पर मतों का धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण होगा। बिहार की राजनीति में मातृशक्ति निर्णायक मतदाता है और नीतिश कुमार की सरकार में नारी शक्ति के हित में कई कार्य हुए हैं । उस पर मोदी जी की मां के अपमान से अब महिला मतदाताओं का एक बहुत बड़ा वर्ग राजग गठबंधन की ओर झुक जाएगा।

मां के प्रति अपमानजनक शब्द सुनकर प्रधानमंत्री मोदी का भावुक होना स्वाभाविक है। उनकी मां तीन वर्ष पूर्व नश्वर देह त्याग चुकी हैं, वे कभी राजनीति में भी नहीं रहीं ऐसी परिस्थिति में मां का अपमान कोई भी बेटा स्वीकार नहीं करेगा। यदि जिस दिन यह दुखद घटना घटी उसी दिन राहुल और तेजस्वी उसकी कड़ी निंदा कर माफ़ी मांग लेते तो बात इतनी आगे नहीं बढ़ती। राहुल गांधी ने मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए अपने छुटभैये मुस्लिम नेता से प्रधानमंत्री और उनकी माँ को अपमानित कराकर ऐसा सेल्फ गोल किया है जिसकी भरपाई असंभव है।

अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन के साथ गणेश उत्सव का समापन

अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन के साथ गणेश उत्सव का समापन होता है। भक्त शुभ मुहूर्त में गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना कर उन्हें विदा करते हैं। मान्यता है कि इससे साल भर गणेशजी का आशीर्वाद बना रहता है और सुख-समृद्धि आती है। जानें गणेश विसर्जन का शुभ मुहूर्त और विधि। गणेश चतुर्थी के पावन दिन भक्तजन घरों में पंडालों में भगवान गणपति की मूर्ति स्थापना करते हैं। इसके बाद रोजाना 10 दिनों तक विधि-विधान से गणपति महाराज की पूजा-अर्चना की जाती है।

अनंत चतुर्दशी के दिन यानी श्राद्ध पक्ष की शुरुआत से एक दिन पहले गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है। हालांकि कुछ भक्तजन अपनी परंपराओं के अनुसार 1, 3, 5 या न दिनों के बाद भी भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन कर देते हैं। गणेश विसर्जन के दिन भगवान गणेश की प्रतिमा का पूरे मान-सम्मान और धूमधाम साथ विसर्जन किया जाता है।आइए जानते हैं, इस साल कब किया जाएगा भगवान गणेश का विसर्जन...

गणेश विसर्जन की तारीख- इस साल 6 सितंबर 2025 को भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

गणेश विसर्जन की विधि- सबसे पहले भगवान गणेश की स्थापित की गई प्रतिमा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करें। पूजा में नारियल, शमी पत्र और दूबा जरूर इस्तेमाल करें। जब आप भगवान गणेश जी की प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाएं तो उससे पहले पूरे घर में या पंडाल में अक्षत बिखेरें। इस बात का ध्यान रखें गणेश जी की प्रतिमा के विसर्जन तक व्रत रखें। गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन नंगे पांव रहकर ही करें। गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन की शुद्ध तालाब या नदी में ही करें। गंदे स्थानों पर प्रतिमा का विसर्जन न करें।

गणेश विसर्जन के लिए शुभ चौघड़िया मुहूर्त
प्रातः मुहूर्त (शुभ) - 07:36 ए एम से 09:10 ए एम
अपराह्न मुहूर्त (चर, लाभ, अमृत) - 12:19 पी एम से 05:02 पी एम
सायाह्न मुहूर्त (लाभ) - 06:37 पी एम से 08:02 पी एम
रात्रि मुहूर्त (शुभ, अमृत, चर) - 09:28 पी एम से 01:45 ए एम, सितम्बर 07
उषाकाल मुहूर्त (लाभ) - 04:36 ए एम से 06:02 ए एम, सितम्बर 07 को है।

मुंह की बदबू से छुटकारा पाने के घरेलू टिप्स

मुंह से बदबू आना एक आम समस्या है जो कई कारणों से हो सकती है। मुंह से बदबू आना से न सिर्फ हम खुद परेशान रहते हैं, बल्कि यह हमारे आस-पास के लोगों के लिए भी असुविधा का कारण बन जाती है। मुंह से आने वाली बदबू कई कारणों से हो सकती है - खराब दांतों की सफाई, मुंह में संक्रमण, खाने-पीने की गलत आदतें, तंबाकू का सेवन, कुछ बीमारियाँ या दवाएं आदि। चाहे कारण कुछ भी हो, मुंह की बदबू हमारे आत्मविश्वास को कम कर देती है और सामाजिक रूप से अलग-थलग कर देती है, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं! मुंह की बदबू से छुटकारा पाने के लिए हम घर पर ही कुछ सरल और प्राकृतिक उपाय आजमा सकते हैं जो इस समस्या को दूर करने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं मुंह की बदबू हटाने के कुछ असरदार घरेलू उपाय के बारे में।

लौंग का उपयोग

लौंग में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो मुंह से बैक्टीरिया को नष्ट कर सकते हैं। आप लौंग को मुंह में रखकर चबा सकते हैं।

नींबु पानी

नींबु में विटामिन C होता है, जो मुंह के अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। आप नींबु के रस को पानी में मिलाकर इसे कुछ समय तक मुंह में रख सकते हैं और फिर कुल्ला कर सकते हैं।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा मुंह की एसिडिटी को कम करता है, जो बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया की वृद्धि को रोक सकता है। आप बेकिंग सोडा को अपने टूथपेस्ट में मिला सकते हैं या फिर इसे पानी में मिलाकर मुंह के अंदर कुल्ला कर सकते हैं।

तुलसी

तुलसी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल प्रॉपर्टीज होती हैं। आप तुलसी की पत्तियों को चबा सकते हैं या इसे अपने चाय में डाल सकते हैं।

सौंफ और इलायची

इन दोनों के एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो मुंह की बदबू को दूर करने में मदद करते हैं।

पेट के बल सोना शरीर और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

सोने के मामले में हर किसी की अपनी पसंदीदा पोजीशन होती है। कोई पीठ के बल सोना पसंद करता है तो किसी को पेट के बल सोना ज्यादा आरामदायक लगता है। ऐसे बहुत लोग हैं, जिन्हें पेट के बल सोना काफी अच्छा लगता है। ये उनकी फेवरेट स्लीपिंग पोजिशन होती है। मगर क्या पेट के बल सोना शरीर और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है? कहीं ये स्लीपिंग पोजिशन आपके शरीर को नुकसान तो नहीं पहुंचा रही? आइए जानते हैं।

डॉक्टर और स्लीप एक्सपर्ट का कहना है कि पेट के बल सोना आपको चाहे कितना भी आरामदायक क्यों न लगे, लेकिन ये एक अच्छी स्लीपिंग पोजिशन नहीं है। सिर्फ 7 पर्सेंट ही ऐसे लोग हैं जो सोने के लिए इस पोजिशन को चुनते हैं। जबकि बाकी लोगों को पीठ के बल सोने वाली पोजीशन ही सबसे बेस्ट पोजीशन लगती है। क्लीवलैंड क्लिनिक की एक स्टडी के मुताबिक, पेट के बल सोने से रीढ़ की हड्डी पर बुरा प्रभाव पड़ता है। रीढ़ की हड्डी झुक जाती है। व्यक्ति के शरीर के बिगड़ने का खतरा पैदा हो सकता है।

पेट के बल क्यों नहीं सोना चाहिए?

जब आप पेट के बल सोते हैं तब आपकी पीठ के निचले हिस्से पर एक तनाव पैदा होता है। सिर्फ इतना ही नहीं, एक तरफ गर्दन घुमाकर सोने से गर्दन में दर्द के साथ-साथ अकड़न की समस्या पैदा हो सकती है। इसके अलावा, कुछ लोगों को सांस लेने में दिक्कत का सामना भी करना पड़ सकता है। एक्सपर्ट की मानें तो पेट के बल सोने से कंधे में तेज दर्द की प्रॉब्लम भी फेस करनी पड़ सकती है। क्योंकि इस पोजीशन में सोते वक्त ज्यादातर लोग अपने बांहें ऊपर की ओर कर लेते हैं।

किस स्लीपिंग पोजीशन में सोना बेहतर

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि आप करवट लेकर या पीठ के बल आराम से सो सकते हैं। लेकिन अगर किसी स्लीप एपनिया है या खर्राटे लेने की समस्या है तो ऐसे लोगों को पीठ के बल नहीं सोना चाहिए। जिन लोगों को दिल से जुड़ी दिक्कतें हैं, उन लोगों को दाहिनी तरफ करवट लेकर सोना चाहिए। पाचन से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे लोगों के लिए बाईं करवट सोना ज्यादा बेहतर माना जाता है। क्योंकि इससे पेट पर दबाव नहीं पड़ता।

किचन में रखा कपड़ा हो जाता है चिपचिपा

किचन की साफ-सफाई में महिलाओं का सारा दिन निकल जाता है। शेल्फ से लेकर डिब्बे चमकाने में अक्सर काफी समय निकल जाता है। इन चीजों को चमकाने के लिए इस्तेमाल होने वाला कपड़ा भी कई बार इतना गंदा हो जाता है जिसके चलते इसे साफ करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आज आपको किचन क्लॉथ साफ करने के कुछ ऐसे तरीके बताते हैं जिनके जरिए आप इन्हें चमका सकते हैं।

ऐसे निकालें कपड़े का पीलापन

कपड़े का पीलापन दूर करने के लिए आप एक स्टील के पैन में पानी उबाल लें। फिर इसमें दो चम्मच डिटर्जेंट पाउडर डालें। इसके बाद मिश्रण के गर्म पानी में कपड़ा डिप करें और कम से कम 5 मिनट के लिए गैस पर रख दें। इस बात का ध्यान रखें कि पानी पैन से बाहर न आए। इसके अलावा अगर किचन टॉवल ज्यादा गंदा है तो एक बार इसी पानी में निकालकर दोबारा साफ पानी भरें और उसमें 5 मिनट के लिए कपड़े डालकर बॉयल कर लें। इस तरह कपड़े में मौजूद पीलापन तो दूर होगा ही साथ में चिपचिपाहट भी दूर होने लगेगी।

कपड़े का कालापन कैसे दूर करें

चिकनाई जमने के कारण भी कपड़े गंदे होने लगते हैं ऐसे में इसे साफ करने के लिए बेकिंग सोडा, सफेद सिरका, डिटर्जेंट पाउडर गुनगुने पानी में मिला लें। घोल में कम से कम 40 मिनट के लिए कपड़ा डूबोकर रखें। इसके बाद इस पानी को गैस पर रखकर उबाल लें। कपड़े में मौजूद गंदगी आसानी से निकल जाएगी।

ब्लीच पाउडर

ब्लीच पाउडर भी कपड़े को चमकाने के लिए काफी मददगार साबित हो सकता है। ठंडे पानी में ब्लीच घोलें। इसके बाद कपड़ा थोड़ी देर इसमें भिगो दें। इसके बाद कपड़े को वाशिंग मशीन में धोएं चिपचिपाहट आसानी से दूर हो जाएगी।

रोज साफ करें कपड़े

किचन क्लॉथ को करीबन दो दिन के बाद साफ करते रहें। इस तरह वह ज्यादा गंदा भी नहीं होगा और साथ-साथ में साफ भी होता रहेगा।

शरीर में ज्यादा आयरन भी हो सकता है 'खतरनाक'

आयरन शरीर के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व है। इसकी कमी शरीर के लिए नुकसानदायक है। हालांकि, शरीर में ज्यादा आयरन होना भी खतरनाक (Iron Side Effect) ही है। इसलिए अगर आप ऐसे फूड्स खा रहे हैं, जिसमें आयरन की मात्रा ज्यादा है तो सावधान हो जाइए क्योंकि जरूरत से ज्यादा आयरन कई बीमारियों को पैदा कर सकता है। आइए जानते हैं ज्यादा आयरन क्यों नुकसानदायक है और इससे कौन-कौन सी बीमारियां हो सकती हैं।

शरीर को कैसे प्रभावित करता है ज्यादा आयरन

दरअसल, शरीर के सभी अंग सही तरह से काम करें इसलिए आयरन जरूरी है लेकिन जब बॉडी में आयरन की मात्रा ज्यादा हो जाती है तो यह टॉक्सिक का कारण बन सकता है। हमारी बॉडी में हेप्सीडिन नाम का एक हार्मोन होता है, जो आयरन को रेगुलेट करने और इसे मेंटेन रखने का काम करता है, लेकिन जब हेप्सीडिन का लेवल बढ़ जाता है तो आयरन ज्यादा स्टोर होने लगता है। इसी तरह जब हेप्सीडिन का लेवल घटता है तब शरीर में आयरन की कमी होने लगती है। लेकिन कुछ डिसऑर्डर ऐसे हैं, जिनमें हेप्सीडिन का प्रोडक्शन बढ़ जाता है और शरीर में आयरन ज्यादा बढ़ जाता है। जिससे समस्याएं बढ़ने लगती हैं।

शरीर में ज्यादा आयरन होने से नुकसान

शरीर में अचानक से आयरन लेवल बढ़ने से कोशिकाएं डैमेज होने लगती हैं। जरूरत से ज्यादा आयरन सप्लीमेंट्स के सेवन से पाचन संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। बच्चों को ये ज्यादा प्रभावित करता है। अगर लंबे समय तक ज्यादा आयरन शरीर में पहुंच रहा है तो लीवर डैमेज हो सकता है। शरीर में ज्यादा आयरन होने से ब्रेन भी डैमेज हो सकता है। ज्यादा मात्रा में आयरन हेमोक्रोमेटोसिस कहलाता है। इससे बॉडी ऑर्गंस और टिश्यू में आयरन बनाने लगता है। शरीर में ज्यादा आयरन होने से आर्थराइटिस, कैंसर, डायबिटीज, हार्ट फेलियर और लीवर की समस्याएं हो सकती हैं। आयरन का इस्तेमाल इम्यून सिस्टम हार्मफुल बैक्टीरिया मारने में करता है। जब शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ती है तो इसका उल्टा असर होने लगता है और इंफेक्शन बढ़ जाता है।

आयरन की अधिकता दूर करने के उपाय

शरीर में ज्यादा आयरन हो जाए तो कम करने का कोई उपाय नहीं है। सिर्फ शरीर से ज्यादा मात्रा में ब्लड निकालने से ही समस्या कम होती है। इसीलिए ब्लड डोनेट करने वालों को हेमोक्रोमेटोसिस का खतरा कम रहता है।

चमक जाएगी एल्यूमिनियम की कड़ाही

किचन में ऐसे कई बर्तन होते हैं जिनका रोज इस्तेमाल होता है ऐसे में उनका पुराना होना आम बात है। तवा, कड़ाही, प्रेशर कुकर, पतीला कुछ ऐसे बर्तन होते हैं जो रोज होते हैं। लेकिन कड़ाही सबसे ज्यादा इस्तेमाल होती है, दाल बनाने से लेकर सब्जी बनाने या उसे फ्राई करने के लिए कड़ाही की जरुरत पड़ती है। रोजाना इस्तेमाल होने के कारण यह चिपचिपी और काली होने लगती है। खासकर अगर एल्यूमिनियम की कड़ाही हो तो उसे साफ करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे हैक्स बताते हैं जिनके जरिए आप कड़ाही को आसानी से साफ कर सकते हैं। आइए जानते हैं।

डिश सोप और नमक से साफ करें

डिश सोप का इस्तेमाल बर्तनों को साफ करने के लिए किया जाता है परंतु इसमें नमक डालकर आप कड़ाई की चिकनाई दूर कर सकते हैं। नमक इसकी गंदगी आसानी से साफ कर देगी। इसके लिए एक बड़ा चम्मच नमक, 1 बड़ा चम्मच डिश सोप, 1 कप गर्म पानी डालकर गर्म कर लें। फिर जब पानी उबलने लगे तो उसको ठंडा कर लें इसके बाद कड़ाही का पानी गिरा दें। अब एक कटोरी में फिर से नमक और डिश सॉप मिलाकर मिश्रण बना लें और स्टीलबूल से कड़ाही को रगड़कर साफ कर लें।

घी से करें साफ

घी की मदद से आप लोहे की कड़ाही चमका सकते हैं। स्टीलबूल के साथ कड़ाही रगड़ने पर यह खराब दिखती है। कई बार तो इसमें पानी के दाग भी नजर आते हैं ऐसे में आप घी की मदद से इसे चमका सकते हैं। सबसे पहले कड़ाही को धो लें और इसके बाद साफ कपड़े या फिर टॉवल के साथ इसे साफ कर लें फिर गैस चला कर उसके ऊपर कड़ाही रखकर गर्म कर लें। आंच बंद करें कड़ाही उतारें फिर स्क्रब से एक बार इसे साफ कर लें। इससे उसमें जमी एक्स्ट्रा गंदगी आसानी से साफ हो जाएगी। फिर घी गर्म करें और उसमें कॉटन डूबोकर कड़ाही के अदंर बाहर दोनों तरफ लगाएं बर्तन आसानी से चमक जाएंगे।

नहीं खराब होगी एल्यूमीनियम की कड़ाही

एल्यूमिनियम को लोहे वाले बर्तनों के साथ न रखें इससे लोहे में लगने वाला जंक इस पर भी लग सकता है। कड़ाही को धोकर पहले अच्छी तरह धो लें । इसके बाद उसे बर्तन वाले स्टैंड पर रकें। गीले बर्तन रखने से उसमें हार्ड वॉटर के निशान लग सकते हैं। डीप क्लीन करने के लिए कड़ाही को नमक और नींबू को साफ करें इससे कड़ाही में जमे तेल की चिकनाई आसानी से दूर होगी।

माता-पिता बनने पर होती है जीवन के नए दौर की शुरुआत

बच्चे का जन्म किसी भी जोड़े के लिए जीवन के लिए नए दौर की शुरुआत होती है। पार्टनर से माता-पिता बनने पर रिश्ते में बदलाव आना स्वाभाविक है। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि बच्चा जब आता है तो अपने साथ ढेर सारी खुशियां भी लाता है। पर, अभिभावक बच्चे की देखभाल में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि एक-दूसरे के बारे में सोचने का उन्हें समय ही नहीं मिलता। ऐसे में पार्टनर्स के बीच दूरियां भी बढ़ने लगती हैं। शोधकर्ताओं के द्वारा एक अध्ययन के मुताबिक साथी के साथ रिश्ते के प्रति संतुष्टि का भाव समय के साथ कम-ज्यादा होता रहता है। पर, अध्ययन में पाया गया कि जिन जोड़ों के बच्चे नहीं होते हैं, उनमें रिश्ते को लेकर संतुष्टि का भाव बाल-बच्चे वाले जोड़ों की तुलना में ज्यादा होता है। शोध में पाया कि बिना बच्चे वाली 62 प्रतिशत शादीशुदा महिलाओं ने माना कि वो खुश हैं, वहीं बच्चों वाली शादीशुदा महिलाओं में यह प्रतिशत घटकर मात्र 38 तक पहुंच गया। बच्चे अपने आगमन से रिश्ते के समीकरण को पूरी तरह से बदल डालते हैं, ऐसे में रिश्ते को फिर से पटरी पर लाने और पति-पत्नी के बीच के रिश्ते की गर्माहट को दोबारा कायम करने के लिए दोनों ओर से अतिरिक्त कोशिश किए जाने की जरूरत है। छोटी-छोटी बातें और कोशिशें आप दोनों के कनेक्शन को दोबारा मजबूत बनाने में आपकी मदद करेंगी।

बंद न हो बातें

बच्चे के जन्म के बाद नई मां बच्चे की देखभाल में व्यस्त हो जाती है और पिता अन्य जिम्मेदारियों में। इसका सबसे ज्यादा असर माता-पिता के आपसी संवाद पर पड़ता है। आपसी संवाद की कमी रिश्ते को सबसे पहले प्रभावित करती है। यह सुनिश्चित करें आप चाहे कितनी भी थकी हों या फिर व्यस्त हों, एक-दूसरे के साथ बातचीत करने के लिए हर दिन थोड़ा वक्त आप लोग जरूर निकालें। बातचीत का मुद्दा घर का बजट, बच्चे की कोई नई गतिविधि, उसकी जरूरत या फिर दिन कैसा गुजरा...कुछ भी हो सकता है। आपसी संवाद न सिर्फ साथी को बेहतर तरीके से समझने का अवसर देगा बल्कि आप भी अपने मन की बातें और इस नई जिंदगी की चुनौतियां साथी से साझा करके अपना मन हल्का कर पाएंगी। यह बच्चा आप दोनों का है और आप दोनों एक टीम हैं। रिश्ते में कितनी भी मुश्किल क्यों ना आए, इस बात को कभी ना भूलें। माना, एक नन्ही-सी जान की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधे पर उठाना आसान काम नहीं है। पर, यह मुश्किल तभी आसान हो पाएगी, जब आप दोनों साथ मिलकर जिंदगी की इस नई चुनौती का सामना करेंगी।

प्राचार्य कार्यालय का अभाविप ने किया घेराव, मांगों को लेकर सौंपा मांगपत्र

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में व्याप्त शैक्षणिक अव्यवस्थाओं और छात्रों की समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राजनांदगांव इकाई ने मोर्चा खोल दिया। परिषद कार्यकर्ताओं ने छात्रों की समस्याओं को लेकर प्राचार्य कार्यालय का घेराव कर जमकर विरोध दर्ज कराया। इस दौरान परिषद की ओर से महाविद्यालय प्रबंधन को मांगपत्र भी सौंपा गया।

एबीवीपी के जिला संयोजक जीत प्रजापति ने बताया कि महाविद्यालय में अध्ययनरत स्नातक के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों को बीते दो वर्षों से ओरिजनल मार्कशीट प्रदान नहीं की गई है। इसके अलावा ऐसे छात्र जिन्होंने एटीगेटी के बाद रिटोटलिंग के लिए फॉर्म भरे थे, उनका परिणाम आज दिनांक तक नहीं आया है। कई छात्रों को यह तक नहीं पता कि वे पास हुए हैं या फेल। इस असमंजस की स्थिति से छात्र मानसिक तनाव में हैं और उनकी आगे की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है।

एबीवीपी के नगर मंत्री अक्षत श्रीवास्तव ने कहा कि केमिस्ट्री ऑनर्स के छात्रों के लिए किसी भी कक्षा का स्पष्ट निर्धारण नहीं किया गया है। छात्रों को अलग-अलग कक्षाओं में बैठाकर पढ़ाया जा रहा है, जिससे पढ़ाई बाधित हो रही है। कई बार तो ऐसा भी हुआ है कि एक कक्षा में बैठने के दौरान किसी अन्य विषय के शिक्षक छात्रों को कक्षा से बाहर निकाल देते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई पर सीधा असर पड़ रहा है।

छात्रों की इन समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए अभाविप ने प्राचार्य कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर मांगपत्र सौंपा। परिषद ने चेतावनी दी है कि यदि एक माह के भीतर सभी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो एबीवीपी एक बड़ा आंदोलन करेगी। घेराव और मांगपत्र सौंपने की इस प्रक्रिया में अभाविप के प्रांत सहसंयोजक चंदन श्रीवास्तव, नगर सहमंत्री निकिता श्रीरंग, प्रतीक गढ़वाल, जीत शर्मा, युक्ता मांडवी, मोहित साहू, यश श्रीवास्तव, राकेश कुंभकार, यश साहू, विकास साहू साई सहित अन्य कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

ईद ए मिलाद उन नबी के अवसर पर बसना मे जश्न का माहौल

बसना(समय दर्शन)। मुस्लिम जमात द्वारा ईदमिलादून्नबी के खास अवसर पर बसना में मस्जिद पर नमाज अदा कर भव्य रैली निकाली गई । यह खास अवसर मुस्लिम जमात द्वारा अपने धर्म गुरु हज़रत पैंगम्बर मोहम्मद साहब के किये गये समाजिक कार्यो को याद किया जाता है। इस पर्व को मोहम्मद पैगम्बर के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है । इस बार बसना के जनपद चौक समीपस्थ मस्जिद से रैली निकालकर डीजे गीत व नारों के साथ यह रैली बसना के हृदय स्थल शहिद वीर नारायण चौक पहुंची जहां सभा का आयोजन रखा गया था । सभा में खासतौर पर अतिथि के रूप में रुप कुमारी चौधरी सांसद लोकसभा महासमुन्द ,चातुरी नंद विधायक सरायपाली ,नगर पंचायत अध्यक्ष? डा खूशबू अग्रवाल, डॉ एन खे अग्रवाल, सतीस अग्रवाल, जसवंत सिंह, रमेस अग्रवाल, मंजीतसिंह सलूजा, सीएमो सूरज सिदार, बसना थाना प्रभारी नरेन्द्र राठौर ,वरिष्ठ पत्रकार गण एवं समाजिक पदाधिकारी तथा कांग्रेस एवं भाजपा के अनेक पदाधिकारीगण मौजूद रहे। जहां सभी अतिथिओं का स्वागत सम्मान कर मेमोंटो प्रदान किया गया ।

इस अवसर तनवीर सईद ने बताया कि इस आयोजन मे सभी हमारे जमात एवं सभी पुलिस विभाग के कर्मचारीयों का सराहनीय सहयोग रहा और सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

नवरात्र के अवसर पर खेल मैदान पिथौरा मे होगा भव्य आयोजन-विक्की सलूजा

आगामी शारदीय नवरात्र पर्व पर नगर के शहीद भगत सिंह खेल मैदान में पहली बार होने जा रहा है ऐतिहासिक एवं भव्य रास गरबा महोत्सव

पिथौरा(समय दर्शन)। आगामी शारदीय नवरात्र को लेकर तैयारी अब धीरे धीरे तेज होने लगी है, जैसे जैसे समय नजदीक आ रहा है रास गरबा उत्सव समिति के समस्त संरक्षक गण,पदाधिकारी गण,सदस्य गण इस आयोजन को सफल बनाने में जुट गए हैं। लगातार बैठकों का दौर भी जारी है तथा समस्त नगरवासी तथा ग्रामीणजन भी पिथौरा नगर में पहली बार हो रहे इतने बड़े आयोजन को लेकर उत्साहित हैं।

सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार प्रचार प्रसार किया जा रहा है तथा रास गरबा डांडिया करने वाले बच्चे,बच्चियाँ एवं महिलाएँ मातायें बहने भी अभी से साज सज्जा हेतु उत्साहित होकर जुट गए है। इस बार नगर का माहौल अभी से माँ दुर्गा की शक्ति उपासना हेतु भक्ति को तैयार है। रास गरबा समिति के अध्यक्ष जितेंद्र सिन्हा,सम्पूर्ण कार्यक्रम के प्रभारी गोपाल शर्मा तथा कोषाध्यक्ष जतीन ठक्कर ने बताया कि दिनांक 23 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक चलने वाले महोत्सव हेतु आज हम सब समिति के संरक्षकगण अपनी पूरी टिम के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचकर जगह का अवलोकन किए कार तथा मोटरसाइकल से आने जाने वालो को असुविधा ना हो जिसके लिए पार्किंग की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हों दर्शकों के लिए बैठने के लिए कुर्सी की व्यवस्था रहे,प्रतिभागी तथा समस्त दर्शकों के लिए समिति की ओर से पानी एवं व्यवस्था होगी। कार्यक्रम के सह संयोजक विक्की सलूजा ने बताया कि एक तरह विशाल मंच बनेगा ,जिसमें हमारे नगर के समाज प्रमुख, जनप्रतिनिधिगण, समाजसेवी तथा बाहर से आने वाले सभी अतिथियों के बैठने की व्यवस्था रहेगी।

मुख्य मंच के बाजू में एक और मंच बनेगा, जिसमे लाइव गरबा का प्रसारण होगा। सभी निर्णायक बाहर से आयेंगे तथा कार्यक्रम संचालन हेतु भी रायपुर तथा अन्य जगहों से आमंत्रित किए गए हैं।

कार्यक्रम स्थल के निरीक्षण के दौरान रास गरबा उत्सव सम्मिति के सदस्य उपस्थित थे। जिसमे प्रमुख रूप से संरक्षक ठाकुर अनंत सिंह वर्मा,प्रेम लाल सिन्हा,वीरेंद्र तिवारी,आशीष शर्मा,रास गरबा समिति के अध्यक्ष जितेंद्र सिन्हा, संपूर्ण कार्यक्रम प्रभारी गोपाल शर्मा,कार्यक्रम के संयोजक विक्की सलूजा, सह संयोजक विक्की ठक्कर, उपाध्यक्ष बबलू सोनी,अनिमेष डे,अंजय सिन्हा, कोषाध्यक्ष जतीन ठक्कर, सह कोषाध्यक्ष नरेंद्र डडसेना, सचिव भूपेन्द्र साहू,सह सचिव अंकित शर्मा,मोनू सलूजा, रवि आरके, उमर हसन,स्वतंत्र पांडेय,अभिनव मिश्रा उपस्थित थे।

क्यूआर कोड से मनरेगा कार्यों की होगी निगरानी

ग्रामीण अब मोबाइल पर देख सकेंगे 3 वर्षों के कार्यों की जानकारी

मुंगेली(समय दर्शन)। महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के कार्यों में पारदर्शिता और जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन मुंगेली ने एक नई पहल की है। जिले की सभी 367 ग्राम पंचायत भवनों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर विशेष क्यूआर कोड लगाए जा रहे हैं।

स्कैन करते ही मिलेगी पूरी जानकारी

कोई भी आमजन अपने मोबाइल से इन क्यूआर कोड्स को स्कैन कर संबंधित ग्राम पंचायत में पिछले तीन वर्षों में हुए मनरेगा कार्यों की जानकारी प्राप्त कर सकेगा। इसमें स्वीकृत कार्यों की संख्या,पूर्ण कार्यों की स्थिति,जारी भुगतान का ब्यौरा,भौतिक प्रगति की जानकारी जैसी महत्वपूर्ण सूचनाएँ शामिल होंगी।जवाबदेही तय करने की पहल इस व्यवस्था से ग्रामीण सीधे कार्यों की प्रगति देख सकेंगे, जिससे अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों की जवाबदेही तय होगी और कार्यों में पारदर्शिता आएगी।कलेक्टर कुन्दन कुमार ने बताया कि आयुक्त मनरेगा के निर्देश पर जिले में यह पहल शुरू की गई है। अब तक सभी 367 ग्राम पंचायत भवनों में क्यूआर कोड लगाए जा चुके हैं। उनका कहना है कि यह पहल ग्रामीणों को उनके अधिकारों की जानकारी देने और योजनाओं में उनकी सीधी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए की गई है, जो राज्य सरकार की पारदर्शी शासन जनभागीदारी की सोच को आगे बढ़ाती है।ग्रामीण होंगे सशक्त जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय ने कहा कि ग्राम पंचायतों के भवनों पर लगाए गए क्यूआर कोड्स से ग्रामीण सिर्फ एक क्लिक में मनरेगा कार्यों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। स्वीकृत और पूर्ण कार्यों की सूची, भुगतान की स्थिति तथा विकास कार्यों की प्रगति सामने होगी।

महाविद्यालय का जर्जर भवन खंडहर में हो रहा तब्दील, लेकिन जिम्मेदार उच्च शिक्षा विभाग बने अनजान

जांजगीर बिर्रा (समय दर्शन)। शासकीय नवीन महाविद्यालय बिर्रा का जर्जर भवन खंडहर में तब्दील हो रहा है। लेकिन जिम्मेदार उच्च शिक्षा विभाग जानबूझकर अनजान बने बैठे हैं। शासकीय नवीन महाविद्यालय बिर्रा जो कभी क्षेत्र का प्रमुख शैक्षणिक केंद्र माना जाता था। आज खंडहर में तब्दील होता जा रहा है। एक समय था जब इस कॉलेज में छात्रों की भीड़ रहती थी। शैक्षणिक गतिविधियाँ चरम पर होती थीं, और यहाँ से शिक्षा प्राप्त कर कई छात्र उच्च पदों पर पहुँच गए हैं। लेकिन आज शासकीय नवीन महाविद्यालय बिर्रा की जर्जर भवन की स्थिति बेहद खराब एवं चिंताजनक है।

गौरतलब है कि जांजगीर चांपा जिला के विकासखंड बम्हनीडीह के अंतर्गत शासकीय नवीन महाविद्यालय बिर्रा अपने उधारी के भवन में संचालित है। कुल 6 कमरे हैं,जहां से प्रत्येक कमरे में छत से पानी टपक रहा है। भवन बहुत ही जीर्ण शीर्ण है। खिड़की दरवाजे टूटे हुए हैं। सांप बिच्छू आए दिन निकलते रहता है।विज्ञान संकाय के सामग्रियों में जंग लग रहा है। इसी प्रकार ग्रंथालय एवं स्पोर्ट का सामान दिमग का भेंट चढ़ रहा है। कुर्सी टेबल, अलमारी एवं सीलिंग पंखा सभी जर्जर स्थिति में है। शासकीय नवीन महाविद्यालय बिर्रा भवन की आस में अपना आंसू बहा रहा है। नवीन भवन के लिए जमीन उपलब्ध हो गई है। केवल बजट भेजने की आवश्यकता है। बजट यदि तुरंत मिलता है तो भवन बनने की प्रक्रिया तुरंत चालू हो जाएगी। इस संबंध में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं उच्च अधिकारियों से पत्र व्यवहार कई बार किया गया है। इसके बावजूद भी मौखिक चर्चा भी किया जा चुका है। लेकिन आज पर्यंत तक बजट आवंटन प्राप्त नहीं हुआ है। उक्त जर्जर भवन के बारे में प्राध्यापक गण एवं पूर्व छात्रगण शासकीय नवीन महाविद्यालय बिर्रा में पढ़ाने वाले एवं पढ़ने वाले विद्या अध्ययन करने के लिए मजबूर नजर आ रहे हैं। महाविद्यालय अपने स्वयं के भवन हेतु बजट का बाट जोह रहा है। उक्त भवन बहुत पुराना होने के कारण काफी जर्जर हो गया है। जर्जर होने के कारण खंडहर में तब्दील हो रहा है। इधर जिम्मेदारों का ध्यान नहीं है कॉलेज की इमारतें बहुत ज्यादा जर्जर हो चुकी हैं। दीवारों में दरारें आ चुकी हैं, खिड़कियाँ टूट चुकी हैं और छत से पानी टपकता है। बरसात के दिनों में हालात और भी बद से बदतर हो गया है। पुस्तकालय जो कभी ज्ञान का भंडार था। लेकिन अब धूल और दीमकों का घर बन चुका है। प्रयोगशालाओं में आवश्यक उपकरणों की भारी कमी है। खेल का मैदान घास और झाड़ियों से ढक चुका है। इसके बावजूद भेजा कब्जाधारियों का अवैध कब्जा हो गया है। शिक्षकों की संख्या भी दिनोंदिन घटती जा रही है। कई महत्वपूर्ण विषयों के लिए योग्य शिक्षक ही नहीं हैं। जो शिक्षक हैं भी, वे उचित संसाधनों के अभाव में विद्यार्थियों को प्रभावी ढंग से पढ़ाने में असमर्थ हैं। प्रशासन की उदासीनता और बजट की कमी ने कॉलेज को इस स्थिति में ला खड़ा किया है। छात्रों की संख्या में भी भारी गिरावट आई है। स्थानीय छात्रों का झुकाव अब निजी संस्थानों की ओर बढ़ रहा है। जहाँ बेहतर सुविधाएँ और शिक्षा मिलती है। कई अभिभावक अपने बच्चों को दूर-दराज के शहरों में भेजने को मजबूर हो गए हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से कई बार शिकायतें की गईं। लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। कॉलेज के पूर्व छात्र भी इस स्थिति को लेकर दुखी हैं, लेकिन उनके प्रयास भी अभी तक रंग नहीं ला पाए हैं। अगर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो यह कॉलेज पूरी तरह से खंडहर बन जाएगा और एक समृद्ध शैक्षणिक संस्थान इतिहास में हमेशा के लिए दफन हो जाएगा। आवश्यक है कि सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर इस कॉलेज को फिर से जीवित करें। एक सुव्यवस्थित योजना, पर्याप्त बजट, और ज़िम्मेदार उच्च शिक्षा विभाग के ज़रिए बिर्रा कॉलेज को फिर से शिक्षा का चमकदार और मजबूत केंद्र बनाया जा सकता है।

बहरहाल कारण चाहे जो भी हो शासकीय नवीन महाविद्यालय बिर्रा का भवन बहुत ज्यादा जर्जर हो चुका है जो खंडहर में तब्दील हो रहा है अगर समय रहते नया भवन नहीं बनाया गया तो उक्त भवन कभी भी भरभरा कर धराशाई हो सकता है। यहां पर अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं की जान भी जा सकती है। उच्च शिक्षा विभाग शासकीय नवीन महाविद्यालय बिर्रा के भवन को बनाने में ध्यान नहीं दे रहे हैं। जो एक बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण कर रहा है। यह बात छात्र-छात्राओं और अभिभावकों के बीच में चर्चा का विषय बना हुआ है। शासकीय नवीन महाविद्यालय बिर्रा में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं और अभिभावकों ने महाविद्यालय के लिए नए भवन बनवाने की मांग किए हैं।

उच्च अधिकारियों को जर्जर महा विद्यालय भवन के बारे में कई बार पत्राचार किया जा चुका है। नए महाविद्यालय भवन बनवाने की मांग किए हैं।

डॉ बीके डहरिया
प्राचार्य
शासकीय नवीन महाविद्यालय बिर्रा

संक्षिप्त-खबर

सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण हेतु शिविर

दुर्ग(समय दर्शन)। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय दुर्ग द्वारा वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण नम्बर प्लेट हेतु 07 से 30 सितंबर 2025 तक भिलाई के विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस्पात क्लब मरोदा में 7, 8 एवं 9 सितंबर 2025 को, इस्पात क्लब सेक्टर 2 में 10, 11 एवं 12 सितंबर को, इस्पात क्लब सेक्टर 1 में 16, 17 एवं 18 सितंबर को, इस्पात क्लब सेक्टर 5 में 22, 23 एवं 24 सितंबर तथा इस्पात क्लब सेक्टर 6 भिलाई में 28, 29 एवं 30 सितंबर 2025 को शिविर आयोजित की जाएगी। उक्त शिविर में अपने वाहन का रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड के साथ उपस्थित होकर निर्धारित शुल्क जमा कर हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट हेतु ऑर्डर किया जा सकता है।

हितग्राहियों को 3 करोड़ 15 लाख रुपये की सब्सिडी राशि भेजी गई

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन संचालन को बढ़ावा देने हेतु दोपहिया, तिपहिया, चार पहिया (नान कमर्शियल), चार पहिया (कमर्शियल) माल वाहन, यात्री यान एवं अन्य श्रेणी के बैटरी चलित वाहनों के इलेक्ट्रिक संचालन हेतु इलेक्ट्रिक वाहन नीति लागू किया गया है। जिसके तहत इलेक्ट्रिक वाहनों के हितग्राहियों को सब्सिडी राशि प्रदान किये जाने का कार्य क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय दुर्ग द्वारा कार्य तीव्र गति से संचालित है। आरटीओ श्री एस.एल. लकड़ा से प्राप्त जानकारी अनुसार अब तक लगभग 3 करोड़ 15 लाख रुपये की राशि, 1131 हितग्राहियों के खाते में भेजी जा चुकी है। शेष वाहनों की सूची तैयार कर शीघ्र हितग्राहियों के बैंक खाते में सब्सिडी राशि प्रदान किये जाने की कार्यवाही की जा रही है।

जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी : गरियाबंद में निकला चादरी जुलूस, अमन-चैन की दुआओं से गूंजा शहर

गरियाबंद (समय दर्शन)। पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का जन्मदिन ईद मिलादुन्नबी जिले में परंपरागत हर्षोल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर की मस्जिदों और गलीङ्कमोहल्लों में आकर्षक सजावट की गई। मुस्लिम धर्मावलंबी बड़ी संख्या में मस्जिदों में नमाज अदा करने पहुंचे, जहां बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला।सुन्नी हनफी गरियाबंद मुस्लिम समाज द्वारा शुक्रवार को पारंपरिक चादरी जुलूस निकाला गया।ईद मिलाद-उन-नबी कमेटी की अगुवाई में जुलूस जामा मस्जिद से शुरू होकर तिरंगा चौक,गौरव पथ, शारदा चौक,शिक्षक नगर,संतोषी मंदिर,बस स्टैंड और नाका पारा चौक होते हुए पुन:जामा मस्जिद पहुंचा। यहां शहर के उलेमा और इमामों ने तकरीर पेश करते हुए देश में अमन,भाईचारा और सौहार्द की दुआ मांगी।इस मौके पर मुस्लिम समाज के लोगों ने बच्चों एवं बुजुर्गों को फल-मिठाई बांटी और नोजवान एकता द्वारा लंगर का आयोजन भी किया गया।जगह-जगह मस्जिदों और घरों को रोशनी से सजाया गया तथा छोटे-बड़े सभी वर्गों ने मिलकर पैगंबर साहब की याद में इंसानियत और शांति का संदेश दिया। सुरक्षा व्यवस्था रही कड़ी,,,,जुलूस-ए-मोहम्मदी को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क नजर आया।थाना प्रभारी ओम प्रकाश यादव ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से सभी प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल तैनात किया गया था।जुलूस के साथ भी पुलिस कर्मी सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैदी से लगे रहे।

सतरेंगा रिसोर्ट में पहुंचे जंगली भालू

कोरबा। सतरेंगा रिसोर्ट में गुरुवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई जब अचानक दो जंगली भालू गार्डन में घुस गए। जानकारी के अनुसार, रात करीब 11 बजे रिसोर्ट में बिजली गुल हो गई थी। अंधेरे का फायदा उठाकर भालू सीधे रिसोर्ट परिसर में प्रवेश कर गए। घटना के दौरान वहां ठहरे पर्यटक और रिसोर्ट के कर्मचारी दहशत में आ गए और सुरक्षित जगहों पर भागकर छिप गए। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि सतरेंगा क्षेत्र जंगल से घिरा हुआ है, जिसकी वजह से जंगली जानवर अक्सर आसपास दिखाई देते हैं। लेकिन बिजली कटने पर अंधेरे का फायदा उठाकर भालू का रिसोर्ट परिसर तक आ जाना खतरनाक स्थिति पैदा कर देता है।

बिर्रा-हसौद-डभरा तक 2 हजार से ज्यादा जानलेवा गड्ढे, अधिकारी सोये कुंभकर्णी नींद

खस्ताहाल सड़क से जनता परेशान,अधिकारी अपने एसी चेबर में मस्त

बिर्रा (समय दर्शन)। हसौद-डभरा 35 किलोमीटर सफर करने में आपको 2 हजार से ज्यादा जानलेवा गड्ढे का सामना करना पड़ेगा,वही इसकी रिपेयरिंग को लेकर ढ्ढङ्ख्रष्ठ के अधिकारी का गोलमोल जवाब सामने आता है।

गौरतलब हो कि रायपुर, बिलासपुर को रायगढ़ से जोड़ने का मुख्यमार्ग बिर्रा-हसौद-डभरा ही है इसे अत्यंत व्यस्तम मार्ग माना जाता है,लेकिन सड़क के खस्ताहाल से लोग परेशान नजर आ रहे हैं। सड़क का मरम्मत नहीं होने से 35 किलोमीटर की दूरी तय करने में लोगों के पसीने छुट जा रहे हैं,2000 से अधिक जान लेवा गड्ढा होने के कारण आने-जाने वालो को जान जोखिम में डाल के जाना-आना पड़ता है,बिर्रा से डभरा महज 35 किलोमीटर कि दूरी तय करने में लोगों को घंटो का समय भी लग जा रहा है।

रोज हो रहे हादसे,घंटो रहता है जाम

वही अभी बारिश का मौसम है,जिससे बड़े-बड़े गड्ढे में पानी भरने से बाईक सवार लोगों को गड्ढा का अदांज नहीं हो पा रहा है,जिससे आयेदिन बाइक से गिरकर लोग चोटिल हो रहे हैं,वहीं अभी 3 दिन पहले ही इसी मार्ग में मल्दा के पास गड्ढा में कैप्सूल वाहन फंस गया जिससे 24 घंटे से भी अधिक जाम लग गया था दोनों तरफ गाड़ियों कि लंबी कतरा लग गई थी जिसे बड़ी मुश्किल से जाम को हटाया जा सका।

आधिकारियो का मटेरियल नहीं होने का बहाना,बड़ी दुर्घटना का इंतजार

वही सब इंजीनियर आसुतोष पटेल कहना है जब मटेरियल की व्यवस्था होंगी तब हम रिपेयरिंग करा पायेंगे

अब सवाल यह उठता है कि अगर ऐसी व्यवस्था रही तो किसी की जान जा सकती है उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा पब्लिक या श्च2स्न विभाग, सरकार को चाहिए कि ऐसे अधिकारी पर सख्त कार्यवाही कर करे जिससे काम मे लापरवाही नहीं बरता जाये।

11 प्रतिष्ठानों के जब्तशुदा 3277 बोरी उर्वरकों को राजसात कर किसानों को विक्रय करने के निर्देश

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में खरीफ2025 में जिले के कृषकों के मांग अनुरूप पर्याप्त मात्रा में उच्च गुणवत्तायुक्त आदान सामग्री यथा- उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिये कृषि विभाग द्वारा सघन अभियान चलाते हुये जिले के निजी एवं सहकारी प्रतिष्ठानों का निरंतर सतत् निरीक्षण किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में पीओएस स्कंध एवं भौतिक स्कंध में अंतर, बगैर स्त्रोत प्रमाण पत्र के उर्वरक भण्डारण/विक्रय, प्रतिष्ठान में मूल्य सूची प्रदर्शित न होना, केश मेमो जारी नहीं करना, बिल बुक निर्धारित प्रारूप में न होना, स्कंध पंजी संधारण अधूरा होने इत्यादि कारणों से 11 उर्वरक विक्रय प्रतिष्ठानों में अनियमितता पाये जाने पर स्थानीय उर्वरक निरीक्षकों द्वारा कुल 3277 बोरी (145.85 मि.टन) उर्वरकों को जब्त कर संबंधित विक्रेताओं से कारण बताओ सूचना जारी कर जवाब मांगा गया था। संबंधित उर्वरक विक्रेताओं का जवाब समाधानकारक न होने के कारण कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 का उल्लंघन पाये जाने पर धारा 7 के तहत जब्तशुदा उर्वरकों को राजसात करने हेतु आदेशित किया गया है। राजसात किये गये उर्वरकों को स्थानीय किसानों को सूचित करते हुए निर्धारित दर पर विक्रय पश्चात् राशि शासन के खजाने में जमा करने हेतु कृषि विभाग को निर्देशित किया गया है।

खबर-खास

ओडिसा प्रांत का डबल लाल घोड़ा छाप कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। नया सवेरा अभियान के अंतर्गत गरियाबंद के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा अवैध रूप से शराब,गांजा तस्करी व बिक्री पर लगाम लगाने एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु समस्त थाना प्रभारियों को दिशा-निर्देश दिये गये थे। जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारियों के द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में मुखबीर एवं पेट्रोलिंग सक्रिय कर लगातार कड़ी कार्यवाही किया जा रहा है।इसी क्रम मे 5 सितम्बर को जरियें मुखबीर से थाना प्रभारी देवभोग को सूचना प्राप्त हुआ की ग्राम खुटगांव नाका चेक पोस्ट के पास आरोपी कामनो नेताम अवैध रूप से अधिक मात्रा मे ओडिसा प्रांत का डबल लाल घोड़ा छाप कच्ची महुआ शराब रखकर परिवहन कर रहा हैं कि सूचना तस्दीक पर थाना से हमराह स्टाफव गवाहों के साथ मुखबीर के बताये स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी कर एक व्यक्ति को पकडे जिन्हें नाम पता पुछने पर अपना नाम महेन्द्र नाग पिता बनमाली नाग उम्र 40 वर्ष ग्राम उसरीपानी थाना देवभोग का रहने वाला बतायें जिसकी तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से दो सफेद रंग के प्लास्टिक बोरी में ओडिसा प्रांत का डबल लाल घोड़ा छाप कच्ची महुआ शराब कुल 300 नग पृत्येक मे 200 एमए ?ल कुल जुमला शराब 60 बल्क लीटर शराब कुल जुमला 15000 रूपये, व पैशन प्रो कं0 सीजी 04 केडी 1391 किमती करीबन 30.000 रूपये कुल जुमला 45,000 रूपये को आरोपी के कब्जे मे रखा होना पाया गया। आरोपी से बरामद शराब को रखने व बेचने के संबंध मे वैध कागजात/लायसेंस की मांग करने पर आरोपी द्वारा कोई कागजात नही होना बताया। प्रकरण में आरोपी का कृत्य धारा 34(2) आबकारी एक्ट का घटित करना पायें जाने पर थाना देवभोग मे आबकारी एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।इस कार्यावाही में थाना देवभोग पुलिस टीम की विशेष भूमिका रही।

चक्रधर समारोह में चला मोहिनीअट्टम का जादू

रायगढ़। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह 2025 के मंच पर चेन्नई की विख्यात नृत्यांगना गुरु गोपिका वर्मा ने मोहिनीअट्टम की मोहक प्रस्तुति दी। उनकी मनोहर मुद्राएँ और भावपूर्ण अभिव्यक्ति दर्शकों को केरल की शास्त्रीय नृत्य-परंपरा और अभिनय की आत्मा से रूबरू करा गईं।

उन्होंने चित्रांगम, जमुना किनारे, विश्वेश्वरा रचनाओं पर आधारित प्रस्तुति में रसों को सजीव कर दिखाया। भक्ति और सौंदर्य से परिपूर्ण उनके नृत्य में कोमल गति, लयबद्ध ताल और सहज शैली का अद्भुत संगम देखने मिला।

विधायक चातुरी नंद के प्रयासों से कृषि मंडी बोर्ड से मिली 1.41 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की स्वीकृति

धान खरीदी केन्द्रों में अहाता निर्माण एवं सीसी रोड निर्माण हेतु 1.41 करोड़ की स्वीकृति, टेंडर प्रक्रिया हुई शुरू

सरायपाली (समय दर्शन)। सरायपाली विधानसभा क्षेत्र की विधायक चातुरी नंद के प्रयासों से एक बार फिर ग्रामीणों को एक बड़ी सौगात मिली है। विधायक चातुरी नंद की अनुशंसा पर राज्य कृषि मंडी बोर्ड द्वारा क्षेत्र के विभिन्न धान खरीदी केन्द्रों के अहाता निर्माण एवं गांवों में सीसी रोड निर्माण हेतु 1 करोड़ 41 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

विधायक चातुरी नंद द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में के अनुसार सरायपाली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जोगनीपाली धान खरीदी केंद्र में अहाता निर्माण हेतु 14.95 लाख, कुसमीसरार धान खरीदी केंद्र में अहाता निर्माण हेतु 14.95 लाख एवं ग्राम टांगापासा धान खरीदी केंद्र में अहाता निर्माण हेतु14.95 लाख की स्वीकृति दी गई है।

इसी तरह ग्राम जोगनीपाली में सीसी रोड निर्माण हेतु 9.92 लाख रूपये, ग्राम घाटकछार में सीसी रोड निर्माण हेतु, सिंघोड़ा में एन एच 53 से प्रायमरी स्कूल तक सीसी रोड निर्माण हेतु 9.92 लाख, भगतसरायपाली के आश्रित ग्राम दर्री पाली में सीसी रोड निर्माण हेतु 9.92 लाख, जंगलबेड़ा में सीसी रोड निर्माण हेतु 9.92 लाख, हरिल छापर में सीसी रोड निर्माण हेतु 9.92 लाख, चारभांठा में सीसी रोड निर्माण हेतु 9.92 लाख, चनाट में सीसी रोड निर्माण हेतु 9.92 लाख, ढालम के आश्रित ग्राम डोंगरीपाली में सीसी रोड निर्माण हेतु 9.92 लाख, लोहरीनडीपा, में सीसी रोड निर्माण कार्य हेतु 9.92 लाख एवं भंवरपुर में सीसी रोड निर्माण हेतु 9.92 लाख रूपये सहित अन्य कार्यों की स्वीकृति मिली है।

विधायक चातुरी नंद ने बताया कि सरायपाली अंचल अत्यंत ही पिछड़ा क्षेत्र है। क्षेत्र के अधिकतर गांवों में आज भी मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में मूलुभूत सुविधाओं के विस्तार और अधोसरंचना के कार्य स्वीकृत कराने मैं हरसंभव प्रयास कर रही हूं। उन्होंने कहा कि सरायपाली क्षेत्र का विकास मेरी पहली प्राथमिकता हैं। विकसित सरायपाली बनाने मैं सदन से लेकर सड़क की लड़ाई लड़ते आई हूं और आगे भी लड़ती रहूंगी।

विधायक चातुरी नंद के कहा कि मैं विधायक निर्वाचित होते ही लगातार सरायपाली क्षेत्र का दौरा कर रही हूं। इस दौरान मुझे मूलभूत सुविधाओं की कमी लगी है और ग्रामीणों की मांग आई है उन सभी कार्यों को पूर्ण कराने मैं लगातार प्रयासरत हूं। क्षेत्र के लोगों को विकास कार्यों की सौगात मिलने से निश्चित ही मुझे बेहद खुशी होती है। आम जनता ने जो जिम्मेदारी दी है उसे पूरा करने मैं लगातार प्रयासरत रहूं।

विकास कार्यों की सौगात मिलने से ग्राम पंचायत सिंघोड़ा की सरपंच रश्मि तन्मय पंडा, हरिलछापर के सरपंच एड पुरुषोत्तम पटेल सहित सभी गांवों के सरपंच और ग्रामीणों ने विधायक चातुरी नंद का आभार जताया है।

विदित हो कि उपरोक्त कार्यों की स्वीकृति उपरान्त अब कृषि मंडी बोर्ड द्वारा टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद निर्माण कार्य शुरू होगा और नई सड़क बनना शुरू हो जाएगा जिससे ग्रामीणों को कीचड़युक्त सड़क से मुक्ति मिलेगी।

आज जो कुछ भी हूं मेरे गुरुदेवों की कृपा से-जितेन्द्र तिवारी

बिर्रा (समय दर्शन)। हर वर्ष 5 सितंबर को पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन जी के जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।इस वर्ष शिक्षक दिवस पर मैं अपने माता-पिता को अपना गुरु मानते हुए शिक्षा के क्षेत्र में मुझे जो ज्ञान पहली कक्षा से बारहवीं कक्षा तक जिन्होंने मुझे पेंसिल से लिखना सीखाया, अक्षरों को पहचानना सीखाया और ज्ञान की जो बातें बताई जिस वजह से आज मैं इस मुकाम तक पहुंचने में योग्य हो पाया।ऐसे मेरे समस्त गुरूजनों को नमन् करते हुए आज शिक्षक दिवस के अवसर पर वे जहां भी हो उनकी दीर्घायु जीवन व मंगलमय जीवन की कामना करता हूं।मुझे इस बार कुछ अलग करने की इच्छा हुई और संयोग से मुझे उन गुरूजनों से मुलाकात करने का अवसर भी मिला।

उनसे आग्रह किया कि मैं उनके साथ एक सामूहिक फोटो लूं।वे सहर्ष स्वीकार कर मेरे साथ फोटो लिए।आज शिक्षक दिवस पर मैं उन्हें इस लेख से याद करते हुए समस्त गुरूजनों का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहूंगा वे जहां भी हो अपना आशीर्वाद मुझ पर सदा बनाएं रखें। इस फोटो में इस सुअवसर पर मेरे को हिंदी का ज्ञान देने वाले मेरे परम् सम्माननीय सेवानिवृत्त बीईओ(जो आज् भले ही इस दुनिया में नहीं हैं पर उनका आशीर्वाद हमेशा है) आदरणीय स्व .एम. आर. कुम्भकार सर (सिलादेही),गणित में कमजोर बचपन से था पर जिन्दगी के गणित में ज्ञान देने वाले परम स्नेही सेवानिवृत गणित शिक्षक आदरणीय एम. एल. साहू (सिलादेही),ज्ञान की शिक्षा देने वाले मेरे शुभचिंतक सेवानिवृत्त आदरणीय स्व. रतिराम पटेल (सिलादेही),कक्षा पांचवीं में ज्ञान की शिक्षा देने वाले सेवानिवृत्त पी आर कश्यप (मल्दा) (वर्तमान में शिक्षक-डोमाडीह) सहित मेरे सभी मार्गदर्शन प्रदान करने वाले मेरे गुरूजनों को आज शिक्षक दिवस की बहुत बहुत बधाई व शुभकामनाएं।क्योंकि गुरू और भगवान में कोई अंतर नहीं है बल्कि मैं तो कहना चाहूंगा कि गुरु भगवान से भी बढ़कर हैं

अंत में यहीं कहना चाहूंगा-

जीवन जितना सजता है माता-पिता के प्यार से, उतना ही महकता है गुरु के आशीर्वाद से, समाज कल्याण में जितने माता-पिता होते हैं खास, उतने ही गुरु के कारण देश की होती है साख

जिला निर्वाचन अधिकारी बीएस उइके ने ईवीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बी.एस.उइके ने गरियाबंद के तहसील कार्यालय परिसर स्थित ईवीएम,वीवीपीएटी वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया।उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सीलबंद वेयर हाउस में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।वेयर हाउस में सीसीटीवी के माध्यम से भी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।निरीक्षण के दौरान सभी सुरक्षा व्यवस्था सही पाए गए।कलेक्टर ने वेयरहाउस में रखे गए निर्वाचन सामग्रियों के सुरक्षा के लिए निरंतर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश मौके पर मौजूद अधिकारियों को दिए।इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी पंकज डाहिरे, तहसीलदार सहित राजनीतिक दल के प्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण से सम्मानित हुए संतराम कश्यप

जांजगीर / (समय दर्शन)। 5 सितंबर दिन शुक्रवार को शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर जांजगीर में आयोजित मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण 2025 एवं शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम में जांजगीर चांपा कलेक्टर महोदय जन्मेजय महोबे एवं माननीय विधायक महोदय, जिला पंचायत के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष और अनेक क्षेत्रीय जन प्रतिनिधियों की गरिमा में उपस्थिति में उत्कृष्ट प्रधान पाठक पुरस्कार के रूप में शासकीय प्राथमिक शाला फुलवारी पारा बिर्रा के प्रधान पाठक संतराम कश्यप को उत्कृष्ट प्रधान पाठक पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। प्रधान पाठक संतराम कश्यप को शाल श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है।

इस अवसर पर उनके साथ सेवानिवृत्त प्रधान पाठक मुरारीलाल थवाईत, हीरालाल कश्यप, शैक्षिक समन्वयक लखन लाल कश्यप ,गुरु प्रसाद भतपरे, शिक्षक मनबोध पटेल, छबि कुमार पटेल, नोहर साहू के अलावा शिक्षक एवं शिक्षिका उपस्थित थे। सभी शिक्षकों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दिए हैं।

जत महोत्सव में छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परंपराओं की झलक

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में रजत महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज विकासखण्ड नवागढ़ के हाई स्कूल मैदान प्रांगण में रजत महोत्सव का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयालदास बघेल शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत पुरखा के सुरता जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई, जिसमें छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, गीत-संगीत और परंपराओं को सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया। हमर संस्कृति, हमर विरासत थीम पर आयोजित प्रस्तुतियों ने दर्शकों को छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर से रूबरू कराया। छत्तीसगढ़ फूड फेस्टिवल में पारंपरिक व्यंजन प्रदर्शित किए गए, जिनका स्वाद उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने लिया।

जिला स्तरीय आर्द्रभूमि सीमा निर्धारण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बेमेतरा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा कि उपस्थिति मे जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रात: 10 बजे से जिला स्तरीय आर्द्रभूमि सीमा निर्धारण (आर्द्रभूमि सीमांकन) हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एडीएम अनिल वाजपेयी, एसडीएम प्रकाश भारद्वाज, एसडीएम बेरला दीप्ती वर्मा, एसडीएम साजा पिंकी मनहर, वनपाल, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित समस्त हल्का पटवारी, राजस्व निरीक्षक, वन रक्षक और उपवन क्षेत्रपाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान परिपालन में जिला स्तरीय आर्द्रभूमि संरक्षण समिति का गठन किया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि आर्द्रभूमि एटलस 2021 के अनुसार राज्य में 2.25 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाली कुल 11,264 आर्द्रभूमियाँ चिन्हित की गई हैं। इनमें कुछ जिलों में संख्या अपेक्षाकृत कम है जैसे नारायणपुर (18), दंतेवाड़ा (51) और पेंड्रा-गौरेला-मरवाही (77), वहीं बिलासपुर (840) और रायपुर (944) जैसे जिलों में यह संख्या अत्यधिक है। आर्द्र भूमि सीमांकन हेतु मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण से प्राप्त नक्शा और आंकड़ों के आधार पर जिला कलेक्टर द्वारा स्थल स्तरीय इकाई का गठन कर जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। यह इकाई आर्द्रभूमि की सीमा निर्धारण, जीपीएस सर्वेक्षण, मौका सत्यापन रिपोर्ट तैयार करने और सीमांकन नक्शा बनवाने का कार्य करेगी।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202506104500097

विषय:- अ-6

मामले की श्रेणी:- राजस्व

सन:- 2024-2025

कोपेडीह प.ह.न. 00005 [(हे0) 7

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार-संदीप राजक, अनावेदक पक्षकार -

/ / ईश्तहार / /

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम कोपेडीह प ह नं 5 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक विनोद चौहान पिता रवि चौहान पता-957, पनार खत्री, धर्मशाला ज राम, चंगोराभाठा रापपुर, तहसील व जिला रायपुर द्वारा ग्राम कोपेडीह प.ह.न. 5 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित विक्रेता ननकी बाई पति सनत कुमार पटेल के नाम दर्ज भूमि खसरा नंबर 193 रकबा 0.21 हे. का भाग रकबा 673 वर्गफीट को पंजीकृत बैनामा दिनांक 17.02.2024 को क्रय आधार पर अपने नाम नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत आधार पर प्रकरण विचाराधीन है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाहीं में जिस किसी व्यक्ति संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 10/09/ 2025 तक स्वयं अधवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 19/08/2025 की जारी किया जाता है।

(मुहर)

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन

डोगेंद्र साहू का एमबीबीएस में चयन, पूर्व विधायक भुनेश्वर बघेल ने दी शुभकामनाएं

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शिक्षा के क्षेत्र में एक और सफलता की कहानी लिखते हुए ग्राम डोम्हाटोला निवासी किसान पुत्र डोगेंद्र साहू ने एमबीबीएस में चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। श्री चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने वाले डोगेंद्र ने 487 अंक प्राप्त किए हैं। उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनका परिवार, बल्कि समूचा क्षेत्र गौरवांवित हुआ है।

डोगेंद्र साहू, ग्राम डोम्हाटोला के कृषक रेखा लाल साहू एवं श्रीमती द्रौपती साहू के पुत्र हैं। प्रारंभ से ही पढ़ाई में रुचि रखने वाले डोगेंद्र ने कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से यह मुकाम हासिल किया है, उनकी इस सपफलता पर पूर्व विधायक भुनेश्वर बघेल विशेष रूप से उनके निवास पहुंचे और डोगेंद्र को शुभकामनाएं दीं। बघेल ने कहा कि एक किसान परिवार से आने वाले छात्र द्वारा मेडिकल क्षेत्र में प्रवेश प्राप्त करना संपूर्ण क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है।

भुनेश्वर बघेल ने डोगेंद्र को मिठाई खिलाकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि इस तरह की सफलताएं ग्रामीण अंचलों में शिक्षा के प्रति जागरूकता और मेहनत के महत्व को दर्शाती हैं।

डोगेंद्र की सफलता से क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों और परिजनों ने इसे मेहनत और लगन का परिणाम बताया है।

सारंगढ जिला प्रेस क्लब ने वन विभाग एसडीओ (सामान्य) के खिलाफ किया निंदा प्रस्ताव

सारंगढ़ (समय दर्शन)। वन विभाग एसडीओ (सामान्य) अमिता गुप्ता के खिलाफ जिला प्रेस क्लब सारंगढ़ ने निंदा प्रस्ताव पारित किया है। पत्रकारों का आरोप है कि एसडीओ वन ने उनसे अभद्र व्यवहार करते हुए पुलिस बुलाने धमकी तक दी है।पूर्व में भी अमिता गुप्ता के द्वारा क्लब के स्थानीय पत्रकारों से अभद्रतापूर्ण व्यवहार किया जा चुका है जिसकी शिकायत प्रदेश स्तर के नेता और जिला कलेक्टर से किया गया था,जिस पर यही ह्यस्त्रश अमिता गुप्ता के द्वारा पत्रकारों के सामने अपनी गलती मानते हुए ह्यश्हह्4 जैसे शब्दों का उपयोग किया गया था। बताया जा रहा है कि कई बार पत्रकारों द्वारा विभागीय जानकारी लेने पर अधिकारी द्वारा न तो सही जवाब दिया गया और न ही सहयोग किया गया। प्रेस क्लब का कहना है कि यह आचरण लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के प्रति असम्मानजनक है, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्लब ने मामले की शिकायत कलेक्टर और वन मंत्री से करने का निर्णय लिया है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि अधिकारी के व्यवहार में जल्द सुधार नहीं हुआ तो आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे।ऐसे ही निष्क्रिय अधिकारी के कारण पूरा विभाग बदनाम होता है जिसका खामयाजा बड़े स्तर के अधिकारी को उठाना पड़ता है।

छात्रावास अधीक्षक की लापरवाही उजागर, तीन मासूम छात्र 7 घंटे रहे लापता

मुंगेली(समय दर्शन)। मुंगेली जिला अंतर्गत विकासखण्ड पथरिया क्षेत्र के ग्राम पंचायत कुकुसदा में संचालित छात्रावासों में लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। कल दिनांक 4 सितंबर को छात्रावास से 8, 9 और 10 वर्ष आयु के तीन मासूम छात्र दोपहर 2 बजे बिना किसी की जानकारी के निकल गए और शाम करीब 7 बजे बरछा तक पहुँच गए।स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस सक्रिय हुई और रात लगभग 9 बजे बच्चों को सुरक्षित उनके परिजनों को सौंपा गया। सौभाग्य से कोई अनहोनी नहीं हुई, अन्यथा यह हादसा बड़ा रूप ले सकता था।

अधीक्षक पर लगातार उठते रहे हैं सवाल

इस घटना ने छात्रावास अधीक्षक व स्टाफकी कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। परिजनों एवं बच्चों का आरोप है कि अधीक्षक 10ङ्क15 दिन में ही छात्रावास आते हैं और बच्चों को भोजन-पानी की सही सुविधा तक नहीं मिलती।यही नहीं, बीते दिनों भी छात्रावास में विवाद एवं भेदभाव की शिकायतें सामने आई थीं, लेकिन उस समय केवल चेतावनी देकर मामला दबा दिया गया था।

घटना की जानकारी मिलने पर भीम आर्मी जिला अध्यक्ष मुंगेली मुकेश बंजारे मौके पर पहुँचे। उन्होंने अधीक्षक से रजिस्टर अवलोकन करने की मांग की, किन्तु अधीक्षक ने स्पष्ट रूप से रजिस्टर दिखाने से मना कर दिया। इससे छात्रावास संचालन में अनियमितताओं व गड़बड़ियों का संदेह और गहरा हो गया है।

आने वाले समय में अगर इस तरह का घटना को ध्यान नहीं दिया गया तो ज्ञापन सौंपते हुए जिला कलेक्टर को उक्त घटना से अवगत कराते गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेने हुए कड़ी कार्यवाही करने कि मांग किया जाएगा। शुक्रवार को शासकीय अवकाश होने की वजह से किसी भी प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन नहीं दिया जा सका। सिर्फ सूचना दिया गया है भीम आर्मी घोषणा करता है कि आने वाले दिनों में जिला कलेक्टर मुंगेली को इस घटना से संबंधित महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा जाएगा।

वर्तमान बरसाती मौसम में क्षेत्र के नदी-तालाब भरे हुए हैं तथा जंगली जानवरों की समस्या भी अधिक है। ऐसे में छोटे बच्चों का बिना निगरानी के छात्रावास से निकल जाना गंभीर लापरवाही को दर्शाता है और किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका को जन्म देता है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक- 10

Email Id: ee-res.durg@gov.in

ज्ञा.क. 2219/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2025-26 — दुर्ग, दिनांक 03.09.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1.	ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग दुर्ग अंतर्गत विभिन्न मदों में वर्ष 2025-26 एवं पूर्व वित्तीय वर्ष में स्वीकृत कार्य हेतु स्वीकृत रूपए 25.00 लाख तक लागत के छोटे-छोटे विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्य का सम्पादन करना। (जोनल निविदा ग्रप क्र. 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 27, 28 एवं 29) **STN** 174786, 174787, 174788, 174791, 174792, 174794, 174796, 174797, 174798, 174799, 174800, 174801	40.00 लाख प्रति ग्रुप

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cg.state.gov.in में दिनांक 03.09.2025 से देखी जा सकती है एवं ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 17.08.2025 तक है।

विस्तुत नियम एवं शर्तो का अवलोकन निकाय की राजस्व शाखा एवं www/http.cg.uad में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
दुर्ग (छ.ग.)

G- 252603242/1

संक्षिप्त-खबर

गणेश उत्सव: आज तालाब पारा में होगा मूर्ति विसर्जन, नगर पालिका ने की पूरी तैयारी

किरंदुल (समय दर्शन)। श्री गणेश उत्सव के अवसर पर तालाब पारा वार्ड क्रमांक 03 में स्थित तालाब में 6 सितंबर 2025 को दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक श्री गणेश जी की मूर्ति का विसर्जन किया जाएगा। नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर विद्युत, साफ-सफाई, क्रेन और पूजा सामग्री विसर्जन के लिए कुंड निर्माण सहित सभी तैयारियां सुनिश्चित कीं।

पुलिस प्रशासन ने बंगाली कैंप मेन रोड पर बैरिकेडिंग कर वाहनों के लिए मार्ग तैयार किया है। सीसीएमओ के निर्देश पर जेसीबी से तालाब के किनारे सड़क का समतलीकरण किया गया। विसर्जन की निगरानी के लिए गौरीशंकर तिवारी (सहायक राजस्व निरीक्षक) को प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनके साथ मुख्य नगर पालिका अधिकारी एस.बी. महापात्र, टीआई संजय यादव, राजस्व उप निरीक्षक नरेश साहू, लोमन सिन्हा और अन्य कर्मचारी मौजूद रहेंगे।

नवनियुक्त भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा का राजनांदगांव में भव्य स्वागत

राजनांदगांव (समय दर्शन)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा का आज जिले में प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उनके स्वागत का मुख्य आयोजन तुमड़ीबोड़ मंडल में किया गया, जहां कार्यकर्ताओं ने पुष्पमालाओं व नारों के साथ उनका भव्य अभिनंदन किया।

इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजू यादव, युवा भाजयुमो नेता यश पारख, भाजयुमो महामंत्री तिमेश साहू, नसीब रात्रे, चमन वर्मा, रामनाथ वर्मा, अमरोतन साहू, चंद्रेश श्रीवास, उमेश साहू, कुंदन साहू, भोज ठाकुर, कमलेश साहू, देवाशीष वर्मा, अर्जुन साहू सहित बड़ी संख्या में भाजयुमो एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष मोनू बहादुर सिंह के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यकारिणी सदस्य यश पारख के नेतृत्व में ग्रामीण मंडल अध्यक्ष जागेश्वर यादव द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक नारे लगाकर प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा ने कार्यकर्ताओं के उत्साह और स्नेह के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती और युवाओं की भागीदारी ही भविष्य के सशक्त भारत की नींव है।

गणित एवं बायोलॉजी से 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी प्रवेश पा सकेंगे डेयरी टेक्नोलॉजी डिप्लोमा कोर्स में

बेमेतरा। छ.ग. शासन एवं दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनू विश्वविद्यालय द्वारा ग्राम चोरभट्टी में गत् चार वर्षों से संचालित शासकीय डेयरी पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में कक्षा 12वीं में गणित एवं बायोलॉजी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को 12वीं अंको के मेरिट के आधार पर प्रवेश प्रदान किये जाने की अनुमति प्रदान की गई हैं।

यह निर्णय जिलें के उन विद्यार्थी के भविष्य को लेकर किया गया है, जिनके पास गणित एवं बायोलॉजी विषय से 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण करने पश्चात् तकनीकी शिक्षा के समुचित विकल्प उपलब्ध नहीं होते। उल्लेखनीय है कि चोरभट्ठी स्थित डेयरी पॉलीटेक्निक के द्विवर्षीय (चार सेमेस्टर) पाठ्यक्रम में देश एवं प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे डेयरी उद्योग के लिये सक्षम युवाओं को तैयार करने के उद्देश्य से तकनीकी शिक्षा प्रदान की जाती है, एवं महाविद्यालय से उत्तीर्ण सभी छात्राओं के लिये नौकरी एवं व्यवसाय के बहुविकल्प उपलब्ध रहते है, जिससे एक ओर जिले एवं प्रदेश के विद्यार्थियों को रोजगार आसानी से उपलब्ध होता है, तथा दूसरी ओर प्रदेश में स्थापित शासकीय, अर्ध शासकीय एवं निजी डेयरी संस्थाओं की अन्य प्रदेशों के सक्षम युवाओं पर निर्भरता कम होती है, एवं उक्त कोर्स को करने के पश्चात् दूध एवं दुग्ध उत्पाद निर्माण से स्वरोजगार प्रारंभ कर सकते है, इस कोर्स में उत्तीर्ण विद्यार्थी वर्तमान मे निजी सस्थानों में कार्यरत है।

अभी संस्थान में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ है और 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों का विशेष रूप से गणित एवं बायोलॉजी विषय के विद्यार्थियों के लिये डेयरी सेक्टर में अपना भविष्य सुनिश्चित करने का यह सुनहरा अवसर है।

प्रवेश प्रक्रिया हेतु चोरभट्ठी स्थित डेयरी पॉलीटेक्निक या विस्तृत जानकारी हेतु मोबाइल न 5964844803 9340291259, 7000231858, 7000240762 9098360150 पर संपर्क किया जा सकता है।

जेसी वीक 7 सितंबर से, अनूठे कार्यक्रम की रहेगी भरमार

जेसीआई दुर्ग-भिलाई के आयोजन में स्वास्थ्य, मनोरंजन, सामाजिकता और आध्यामिकता पर होगा जोर

दुर्ग (समय दर्शन)। समाजसेवी संस्था जेसीआई दुर्ग-भिलाई द्वारा आयोजित जेसी वीक में इस बार अनूठे कार्यक्रम की भरमार रहेगी। इसलिए आयोजन को अद्वित याने अनूठे थीम का नाम दिया गया है। 7 सितंबर से 14 सितंबर तक आयोजित जेसी वीक में मटरगस्ती, हौसलों की उड़ान, होप, कॉमेडी शो, कृष्णास जीपीएस कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से संस्था द्वारा स्वास्थ्य, मनोरंजन, सामाजिकता और आध्यात्मिकता पर जोर दिया जाएगा। जेसीआई द्वारा सभी कार्यक्रमों की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। यह बातें जेसीआई दुर्ग-भिलाई के अध्यक्ष आलोक अग्रवाल व सचिव अमूल जैन ने मीडिया से संयुक्त रुप से चर्चा में कही। इस दौरान संस्था के जेसी वीक डायरेक्टर अर्पित चांडक, पीआरओ कमल

किशोर झंवर, को-डायरेक्टर हिमांशु देव, पंकज अग्रवाल, कमलेश राजा भी मौजूद रहे। जेसी वीक के आयोजनों को सिलसिलेवार बताते हुए जेसीआई दुर्ग-भिलाई के अध्यक्ष आलोक अग्रवाल ने कहा कि जेसीआई दुर्ग-भिलाई में 52 वर्ष से कार्य कर रही है। इस बार के जेसी वीक आयोजन में हर कार्यक्रम अनूठा व खास है। श्री अग्रवाल ने बताया कि जेसी वीक की शुरुआत 7 सितंबर को फिटनेस मॉर्निंग मेला मटरगस्ती कार्यक्रम से होगी। यह आयोजन जटार क्लब रोड सिविल लाईन में सुबह 7 बजे से सुबह 10 बजे तक किया गया है। इस फिटनेस मॉर्निंग मेला में जुम्बा, लाफ्टर योगा और 7 वंडर्स टैलेंट शो जैसे कार्यक्रम के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया जाएगा। 9 सितंबर को हौसलों की उड़ान कार्यक्रम अंतर्गत अग्रसेन चौक स्थित एविश एडुकॉम में अलग-अलग समाज की महिलाओं को बोलने की कला सिखाई जाएगी। कार्यक्रम में वक्ता अनिल बल्लेवार द्वारा महिलाओं का मोटीवेशन किया जाएगा। 11 सितंबर को ज्ञानोदय विद्यालय रुआबांधा में होप कार्यक्रम अंतर्गत चैरिटी शो का आयोजन किया गया है। 13 सितंबर को कॉमेडियन रवि गुप्ता के चैरिटी शो आयोजित किए गए है। 14 सितंबर को अग्रसेन भवन स्टेशन रोड दुर्ग में आध्यात्मिक कार्यक्रम कृष्णास जीपीएस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। राजनांदगांव के वक्ता द्वारा कार्यक्रम में गीता के उपदेशों के माध्यम से जीवन की समस्याओं के समाधान की सीख दी जाएगी।

धूमधाम से मनाया गया जश्ने ईद मिलादुन्नबी

पैगंबर मोहम्मद साहब के 1500वें जन्मदिवस पर किरन्दुल में निकला भव्य जुलूस-ए-मोहम्मदी

किरन्दुल (समय दर्शन)। सुन्नी मदीना मस्जिद, किरन्दुल में जश्ने ईद मिलादुन्नबी पूरे अदब और एहतराम के साथ मनाया गया। इस पवित्र अवसर पर मुस्लिम समुदाय ने सुबह 8:30 बजे जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला, जिसमें शहर के विभिन्न हिस्सों में भ्रमण के दौरान जगह-जगह पुष्प वर्षा कर जुलूस का स्वागत किया गया। जुलूस मस्जिद पहुंचने पर परचम कुशाई की रस्म अदा की गई और मुल्क में अमन व शांति की दुआ मांगी गई।

जुलूस के दौरान विभिन्न स्थानों पर नाश्ते का इंतजाम किया गया था। इस अवसर पर सभी ने एक-दूसरे को ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी। सुन्नी मदीना मस्जिद के मौलाना इकबाल रजवी, कारी अब्दुल गफूर हबीबी, सचिव शेख नजमुल हक, उपाध्यक्ष अनवर हुसैन, कोषाध्यक्ष आदिल खान, गुलाम अहमद अली और सचिव फारूक रजा ने सभी को इस पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं। ईद मिलादुन्नबी, पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्मदिवस, मुस्लिम समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह अल्लाह के आखिरी पैगंबर की शिक्षाओं को याद करने और उनकी सुन्नत पर चलने का अवसर प्रदान करता है। इस वर्ष पैगंबर साहब के 1500वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में उत्सव को विशेष रूप से मनाया गया। बच्चों ने इस अवसर पर इस्लामी स्टीकर बनाकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

नवरात्र के अवसर पर खेल मैदान पिथौरा मे होगा भव्य आयोजन-विक्की सलूजा

आगामी शारदीय नवरात्र पर्व पर नगर के शहीद भगत सिंह खेल मैदान में पहली बार होने जा रहा है ऐतिहासिक एवं भव्य रास गरबा महोत्सव

पिथौरा(समय दर्शन)। आगामी शारदीय नवरात्र को लेकर तैयारी अब धीरे धीरे तेज होने लगी है, जैसे जैसे समय नजदीक आ रहा है रास गरबा उत्सव समिति के समस्त संरक्षक गण,पदाधिकारी गण,सदस्य गण इस आयोजन को सफल बनाने में जुट गए हैं। लगातार बैठकों का दौर भी जारी है तथा समस्त नगरवासी तथा ग्रामीणजन भी पिथौरा नगर में पहली बार हो रहे इतने बड़े आयोजन को लेकर उत्साहित हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार प्रचार प्रसार किया जा रहा है तथा रास गरबा डांडिया करने वाले बच्चे,बच्चियाँ एवं महिलाएँ मातायें बहने भी अभी से साज सज्जा हेतु उत्साहित होकर जुट गए है। इस बार नगर का माहौल अभी से माँ दुर्गा की शक्ति उपासना हेतु भक्ति को तैयार है। रास गरबा समिति के अध्यक्ष जितेंद्र सिन्हा,सम्पूर्ण कार्यक्रम के प्रभारी गोपाल शर्मा तथा कोषाध्यक्ष जतीन ठक्कर ने बताया कि दिनांक 23 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक चलने वाले महोत्सव हेतु आज हम सब समिति के संरक्षकगण अपनी पूरी टिम के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचकर जगह का अवलोकन किए कार तथा मोटरसाइकल से आने जाने वालो को असुविधा ना हो जिसके लिए पार्किंग की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हों दर्शकों के लिए बैठने के लिए कुर्सी की व्यवस्था रहे,प्रतिभागी तथा समस्त दर्शकों के लिए समिति की ओर से पानी एवं व्यवस्था होगी। कार्यक्रम के सह संयोजक विक्की सलूजा ने बताया कि एक तरह विशाल मंच बनेगा ,जिसमें हमारे नगर के समाज प्रमुख,जनप्रतिनिधि गण, समाजसेवी तथा बाहर से आने वाले सभी अतिथियों के बैठने की व्यवस्था रहेगी।

प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा 13 सितम्बर नेशनल लोक अदालत की पूर्व तैयारी के संबंध में ली गई बैठक

बेमेतरा (समय दर्शन)। बृजेन्द्र कुमार शास्त्री, प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के अध्यक्षता एवं श्रीमती अनिता कोशिमा रावटे, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की उपस्थिति में आगामी नेशनल लोक अदालत 13 सितम्बर 2025 के सफल आयोजन हेतु मॉनिटरिंग सेल एवं हिट एण्ड रन मोटर एक्सीडेंट मामलों के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में अध्यक्ष महोदय द्वारा पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू, एडीएम श्री अनिल बाजपेयी को अधिक से अधिक संख्या में राजस्व प्रकरण के निराकरण के संबंध में पक्षकारो के मध्य प्री-सींटिग करने हेतु निर्देश दिये गयें। प्रधान जिला न्यायाधीश ने पीड़ित पक्ष की ओर से क्लेम कम्पनसेशन में क्षतिपूर्ति हेतु आवेदन पेश करने की प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करने एवं एक्सीडेंट के परिणामस्वरूप हुई मृत्यु अथवा गंभीर चोट के लिए कम्पनसेशन निर्धारित कर समय-सीमा में अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण करने हेतु क्लेम इंक्वायरी ऑफिसर को निर्देश दियें। साथ ही मोटरयान एक्सीडेंट स्कीम 2022 अनुसार क्लेम इंक्वायरी ऑफिसर को संबंधित थाने से फर्स्ट एक्सीडेंट रिपोर्ट (एफए.आर.) एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा दुर्घटना होने की सूचना प्राप्ति के एक माह के भीतर ही संबंधित पुलिस अधिकारी/थाना प्रभारी द्वारा एफए.आर. की प्रति क्लेम इंक्वायरी ऑफिसर को प्रेषित करने और पीड़ित पक्ष को उसके क्षतिपूर्ति, दावा अधिकार के संबंध में समस्त जानकारी उपलब्ध कराने हेतु पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया गया है।

स्कूल में बच्चों से कराई गई सफाई, ग्रामीणों ने जताया कड़ा विरोध, बीईओ ने कहा जांच के बाद कार्यवाही करेंगे

नृपनिधी पाण्डेय

सरायपाली (समय दर्शन)। ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत कनकेबा का शासकीय स्कूल इन दिनों विवादों में घिर गया है। शुक्रवार को यहां का नजारा देखकर ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। पढ़ाई करने आए छोटे-छोटे बच्चों से ही कक्षा में रखे टेबल, कुर्सी और बेंच को बाहर निकलवाकर सफाई कराई गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यह काम स्कूल में पदस्थ शिक्षकों के कहने पर कराया गया।

कनकेबा के पूर्व सरपंच बसंत पटेल जीतेन्द्र पटेल सहित युवाओं और ग्रामीणों का कहना है कि जब बच्चे शिक्षा ग्रहण करने स्कूल आते हैं, तो उनसे पढ़ाई की जगह सफाई करवाना न केवल उनके अधिकारों का हनन है, बल्कि यह शिक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। कई ग्रामीणों ने बताया कि घटना के समय बच्चे पढ़ाई छोड़कर फर्नीचर बाहर निकाल रहे थे और झाड़ू से सफाई कर रहे थे। इस पर अभिभावकों और गांव के युवाओं ने आपत्ति जताई। उनका कहना है कि बच्चों का समय पढ़ाई में लगना चाहिए, न कि सफाई जैसे कामों में।

इस मामले को लेकर गाँव में दिनभर चर्चा रही। अभिभावकों ने सवाल उठाया कि आखिर किसके आदेश पर शिक्षकों ने बच्चों से यह काम करवाया। उनका कहना है कि यदि स्वीपर कर्मचारी हड़ताल पर हैं, तो इसकी जिम्मेदारी प्रशासन और शिक्षा विभाग की बनती है, न कि बच्चों पर बोझ डालने की।

इस मामले पर जब ब्लॉक शिक्षा मांझी अधिकारी (बीईओ) से बात की गई तो उन्होंने स्वीकार किया कि बच्चों से इस तरह का कार्य करवाना गलत है। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्वीपर कर्मचारी हड़ताल पर हैं, जिसके कारण कई स्कूलों में साफ-सफाई की समस्या खड़ी हो गई है। लेकिन बच्चों से जबरन सफाई करवाना नियमों के खिलाफ है। बीईओ ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में अभी किसी प्रकार का आदेश जारी नहीं हुआ है, लेकिन शिकायत मिलते ही जांच के लिए टीम भेजी जा रही है।

बीईओ ने भरोसा दिलाया कि जांच पूरी होने के बाद जो भी शिक्षक या कर्मचारी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल शिक्षा का मंदिर है, यहां बच्चों को पढ़ाई-लिखाई पर ध्यान दिया जाना चाहिए। यदि बच्चों से जबरन काम करवाया जाएगा तो उनकी पढ़ाई प्रभावित होगी और वे स्कूल आने से कतराने भी लग सकते हैं। यही नहीं, इस तरह की घटनाएं शिक्षा की गुणवत्ता पर भी सीधा असर डालती हैं।

इस घटना के बाद अब स्थानीय लोग प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि बच्चों का भविष्य दांव पर नहीं लगाया जा सकता। यदि समय रहते इस तरह की गतिविधियों पर रोक नहीं लगाई गई, तो ग्रामीण बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे

जीएसटी रिफॉर्म का निर्णय ऐतिहासिक भाजपा की जन सेवा और जनकल्याण की नीति को स्पष्ट करता है - सुरेंद्र कौशिक

दुर्ग (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के दुर्ग जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के द्वारा अब तक के सबसे बड़े जीएसटी रिफॉर्म के निर्णय ऐतिहासिक बताया है यह निर्णय भाजपा की जन सेवा और जन कल्याण की नीति को स्पष्ट करता है श्री कौशिक ने आगे कहा कि इसके बदलाव से आम जन जीवन में बहुत प्रभाव पड़ेगा मोदी सरकार के इस निर्णय से घर बनाना और घर चलाना और भी आसान हो जाएगा इस निर्णय से आम जीवन में बचत और खपत दोनों बढ़ेगा अगर हम शुरुआत घर से करें सीमेंट 20 प्रतिशत लगता है घर बनाने सीमेंट में उसमें 10 प्रतिशत की छूट जीएसटी दरो में दी गई है जिस घर बनाने की लागत में दो प्रतिशत की कमी आ गई घर के डेकोरेशन के सामानों में 10त्न की छूट दी गई है निश्चित तौर पर हम सभी के सपना घर बनाना होता है वह पूर्ण हो पाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने आगे कहा कि पहले चार दरो के होने से विवाद की स्थिति होती थी अब दो प्रकार की हो गई है एफ्सेंशियल प्रतिशत और बाकी चीज 18 प्रतिशत की इस प्रकार की लिटिगेशन पर विराम लग गई। साथ ही साथ जीएसटी के विवादों के निर्णय के

लिए ट्रिब्यनल खोला जाना है जो हर प्रदेश में खोला जाएगा जिससे हर प्रकार के विवाद पर निर्णय तुरंत आ जाएगा विवाद की स्थिति में ट्रैवलिंग के समय में भी बचत होगी। श्री कौशिक ने आगे कहा कि नई जीएसटी प्रणाली में सरकार ने तय किया है कि रजिस्ट्रेशन अब सिर्फ तीन दिन में दिया जाएगा।

भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि जहां एक्सपोर्ट को आसान किया जाता है और जहां कर प्रणाली को आसान किया जाता है और एक्सपोर्ट को प्रोत्साहित किया जाता है उसे व्यापारिक उत्साहित होते हैं और उसे हम विकसित भारत के सपने को पूर्ण होता जरूर देख सकते हैं। मोदी सरकार ने बार-बार यह सिद्ध किया कि उसकी प्राथमिकता जनता है आयकर छूट और जीएसटी राहत से आम नागरिकों को आर्थिक रूप से सशक्त करने का काम हुआ है। जीएसटी दर में बदलाव से स्थानीय व्यवसाय ग्रामीण अंचल में व्यापार की नई गति मिलेगी इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

स्थानीय केजी कॉन्वेंट में गुरुवार को शिक्षक दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

सरायपाली (समय दर्शन)। 5 सितंबर को मिलाद- उन- नबी की अवकाश होने के कारण 4 सितंबर को मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती एवं डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की पूजा कर की गई। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने शिक्षकों का स्वागत तिलक लगाकर किया। कार्यक्रम में शिक्षकों के मनोरंजन हेतु विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य, भाषण आदि की प्रस्तुति दी गई। शिक्षकों के लिए विभिन्न खेल आयोजित कराया गया जिसमें विजेता शिक्षकों को बच्चों द्वारा गिफ्ट प्रदान किया गया। शिक्षकों ने भी इस खेल में उत्साह के साथ हिस्सा लिया। प्रधान पाठक सुभाष प्रधान ने कहा कि हमें अपने संस्कृति और संस्कारों से जुड़े रहना चाहिए। कार्यक्रम को प्राचार्य संजय सतपथी, रितेश भोई और राधा शर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों सहित सभी शिक्षक गण उपस्थित थे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी वंदिता बोहिदार ने दी है।

खाद्य विभाग में भ्रष्टाचार और अवैध दुकान आबंटन चरम पर : आसिफ अली

राजनांदगांव (समय दर्शन)। खाद्य विभाग में भ्रष्टाचार और अवैध राशन दुकान आबंटन के खिलाफ उत्तर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आसिफ अली के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को कलेक्टर के नाम एडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए कांग्रेसियों ने मामले की उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। आसिफ अली ने आरोप लगाया कि राजनांदगांव शहर सहित जिले भर में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार फैल गया है। उन्होंने कहा कि पीडीएस कंट्रोल ऑर्डर 2016 के नियमों को ताक पर रखकर भाजपा नेताओं के इशारे पर अवैध रूप से राशन दुकानों का आबंटन किया जा रहा है।

खासकर स्टेशनपारा वार्ड क्रमांक 11 की राशन दुकान (आईडी नंबर 421001008) को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। यह दुकान पहले जनता कल्याण खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता समिति के माध्यम से संचालित हो रही थी, लेकिन अब इसे कथित रूप से भाजपा नेताओं के दबाव में लक्ष्मी नारायण स्वयं सहायता समूह को सौंप दिया गया है।

आसिफ अली का कहना है कि लक्ष्मी नारायण स्वयं सहायता समूह न केवल स्थानीय नहीं है, बल्कि इसके चयन में पारदर्शिता की पूरी तरह से अनदेखी की गई है। पूर्व से ही स्थानीय महिला समूहों ने दुकान आबंटन के लिए आवेदन किया था, लेकिन उन्हें नजरअंदाज कर पैसे के लेन-देन के आधार पर आबंटन किया गया है।

कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मामले में जल्द कार्रवाई नहीं हुई और भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं लगी तो कांग्रेस को सड़कों पर उतरकर आंदोलन करना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह मामला सीधे जनता से जुड़ा है और इसमें भाजपा की संलिप्तता साफ नजर आ रही है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान आईटी सेल के शहर अध्यक्ष मयंक सोनी, धीरज रामटेके, मोनिश साहू, जितेंद्र साहू समेत बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे। एडीएम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच के आदेश जारी किए हैं।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26